संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 346
पृष्ठ 8
शनिवार
07 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्यों होती है विटामिन डी ...

विचार- जम्मू-कश्मीर में राहुल का बड़ा...

खेल- संन्यास के बाद ब्रेंडन मैकुलम की राह...

बिना चिंता के कराएं इलाज, पैसा देगी सरकार : सीएम योगी

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया है कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में उपचार कराएं। उपचार में जो भी पैसा खर्च होगा वह सरकार देगी। सीएम ने इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और उन्हें इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की जरूरत है, उनके एस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। गोरखपुर प्रवास के दौरान सीएम योगी ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात की।

जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से की मुलाकात

एक–एक करके उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की जरूरत नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका तुरंत, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। सीएम ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एक साथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी। बात करने के दौरान भावुक हुई एक महिला को आत्मीय संबल देते हुए सीएम ने कहा कि डॉक्टर से एस्टीमेट मंगवा लीजिए, इलाज का पैसा सरकार देगी। मुख्यमंत्री ने सभी से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए। शुक्रवार को जनता दर्शन के दौरान एक वृद्ध महिला से मुलाकात कर और उसकी समस्या जानकर सीएम काफी भावुक हो गए। अपने घर वालों के उपेक्षात्मक रवैये से आहत इस वृद्ध महिला ने मुख्यमंत्री को बताया कि उम्र के इस पड़ाव में अपने ही परिवार से मिल रहा दुख वह सहन नहीं कर पा रही हैं।

सीएम योगी ने पूछा कि वह क्या चाहती हैं? बुजुर्ग महिला ने कहा कि उसकी इच्छा अब जीवन के बाकी बचे दिन किसी धर्मनगरी में बिताने की है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, 'माई! वृंदावन या काशी या जहां भी रहने की इच्छा हो, बता दो। सारी व्यवस्था हम कर देंगे। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि इस वृद्ध महिला की सम्मान सहित देखभाल की जाए और जिस भी जगह यह जाना चाहती हैं, वहां भेजकर रहने और अन्य जरूरतों की सभी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जल संचय जन भागीदारी पहल की पीएम मोदी ने की शुरुआत, बोले-

ये भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने जल संचय जनभागीदारी पहल शुरू की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज गुजरात की धरती से जलशक्ति मंत्रालय द्वारा एक अहम अभियान का शुभारंभ हो रहा है। इससे पूर्व पिछले दिनों देश के हर कोने में वर्षा का जो तांडव हुआ, देश का शायद ही कोई ऐसा इलाका होगा जिसको इस मुसीबत से संकट न झेलना पड़ा हो। उन्होंने कहा कि इस बार गुजरात पर बहुत बड़ा संकट आया। सारी व्यवस्थाओं की ताकत नहीं थी कि प्रकृति के इस प्रकोप के सामने हम टिक पाएं। लेकिन गुजरात के लोगों और देशवासियों के एक स्वभाव है कि संकट की घड़ी में कंधे से कंधा मिलाकर हर कोई, हर किसी की मदद करता है। मोदी ने कहा कि जल संचय केवल एक नीति नहीं है, ये एक प्रयास भी है और यूं कहें कि ये एक पुण्य भी है। इसमें

उदारता भी है और उत्तरदायित्व भी है। आने वाले पीढियां जब हमारा आंकलन करेंगी तो पानी के प्रति हमारा रवैया, शायद उनका पहला पैरामीटर होगा। उन्होंने कहा कि क्योंकि ये केवल संसाधनों का प्रश्न नहीं है। ये प्रश्न जीवन का है, ये प्रश्न मानवता के भविष्य का है। इसलिए हमने टिकाऊ भविष्य के लिए जिन 9 संकल्पों को सामने रखा है, उनमें जल संरक्षण पहला संकल्प है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण... ये हमारे लिए कोई नए शब्द नहीं है। ये हालात के कारण हमारे हिस्से आया काम नहीं है। ये भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कहा गया है। नदियों को देवी माना गया है, सरोवरों और कुंडों को देवालय का दर्जा मिला है। मोदी ने कहा कि जल–संरक्षण केवल नीतियों का नहीं, बल्कि सामाजिक निष्ठा का भी विषय है। जागरुक जनमानस, जनभागीदारी और जनआंदोलन... ये इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत है।

भाजपा में शामिल हुए बीजद नेता सुजीत कुमार, राज्यसभा सांसद के पद से दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजू जनता दल (बीजेडी) के राज्यसभा सदस्य सुजीत कुमार ने संसद के उच्च सदन में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा आधिकारिक तौर पर राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वीकार कर लिया। बीजद से बाहर निकलने के बाद, कुमार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा की। भाजपा ने शामिल होने के बाद सुजीत कुमार ने कहा कि पीएम हमेशा आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं। वह पूर्वी भारत के विकास को सुनिश्चित करने के लिए हमेशा बहुत सक्रिय रहे हैं, जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में थोड़ा पिछड़ा हुआ है...ओडिशा से उनका विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि ओडिशा 2036 में अपने गठन के 100 साल पूरे करेगा। उन्होंने हमेशा यह देखने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया है कि यह एक विकसित राज्य कैसे बने। सुजीत कुमार ने कहा कि ओडिशा में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के नेतृत्व में भाजपा सरकार सत्ता में आने के बाद से दिन–रात काम कर रही है कि ओडिशा का विकास कैसे हो... मैं उनके साथ जुड़कर खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं।

अमित शाह जारी किया भाजपा का मेनिफेस्टो, बोले-

धारा 370 पास्ट बन चुका है, कभी नहीं लौट सकता

जम्मू, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आगामी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। जम्मू–कश्मीर बीजेपी प्रमुख रविंदर रैना और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद हैं। सभा को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद से जम्मू–कश्मीर हमारी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण रहा है। हमने सदैव इस भूमि को भारत के पास अक्षुण्ण रखने का प्रयास किया है। हमारी पार्टी का मानना घ्है कि जम्मू–कश्मीर हमेशा से भारत का हिस्सा रहा है और रहेगा। 2014 तक जम्मू–कश्मीर हमेशा अलगाववाद और आतंकवाद के साये में रहा। अमित शाह ने कहा कि विभिन्न राज्य और गैर–राज्य कर्ताओं ने राज्य को अस्थिर बनाए रखा। सभी सरकारों ने राज्य के साथ तुष्टिकरण की नीति अपनाई। जब भी जम्मू–कश्मीर का इतिहास लिखा जाएगा, 2014 के बाद के ये दस साल राज्य

के लिए स्वर्णिम काल के रूप में अंकित होंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से जम्मू–कश्मीर हमारी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण रहा है। हमने हमेशा इस भूमि को भारत के साथ बरकरार रखने की कोशिश की है। हमारी पार्टी का मानना घ्है कि जम्मू–कश्मीर हमेशा भारत का हिस्सा रहा है और रहेगा। शाह ने कहा कि 2014 तक जम्मू–कश्मीर हमेशा अलगाववाद और आतंकवाद के साये में रहा। विभिन्न राज्य और गैर–राज्य कर्ताओं ने राज्य को अस्थिर बनाए रखा। सभी सरकारों ने राज्य के साथ तुष्टिकरण की नीति अपनाई। जब भी जम्मू–कश्मीर का इतिहास लिखा जाएगा, 2014 के बाद के ये दस साल राज्य के लिए स्वर्णिम काल के रूप में अंकित होंगे। उन्होंने कहा कि मैंने एनसी (नेशनल कॉन्फ्रेंस) का एजेंडा देखा है। मैंने एनसी के एजेंडे के प्रति कांग्रेस का मूक समर्थन भी देखा है।श लेकिन, मैं देश से कहना चाहता हूं कि धारा 370 इतिहास है, ये कभी वापस नहीं आएगी और हम ऐसा नहीं होने देंगे। अनुच्छेद 370 ही वह चीज थी जिसने युवाओं के हाथों में हथियार और पत्थर दिए। शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 के कारण आरक्षण संभव नहीं था; महिलाओं, दलितों और आदिवासियों को अन्याय का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस में शामिल हुए विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया

खड़गे बोले- चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में5 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। रिपोर्टों के अनुसार, बजरंग पुनिया विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे क्योंकि उन्हें आगामी चुनावों के लिए हरियाणा कांग्रेस की अभियान समिति के सह–अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने की संभावना है। वहीं विनेश फोगाट चुनाव लड़ेंगी। हालांकि उनकी सीट जल्द ही फाइनल हो जाएगी। कांग्रेस में

शामिल होने से पहले, फोगाट और पुनिया ने भारतीय रेलवे में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। विनेश फोगाट ने इस दौरान कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को धन्यवाद देती हूं। कहते हैं ना कि बुरे वक्त में पता लगता है कि अपना कौन है। जब हमें सड़क पर घसीटा जा रहा था तो बीजेपी को छोड़कर सभी पार्टियां हमारे साथ थीं। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं ऐसी पार्टी में शामिल हुई हूं जो महिलाओं के साथ खड़ी है और सड़क से संसद तक लड़ने के लिए तैयार है।

जहां दुश्मन, वहां तक जाएगी लखनऊ की बनी मिसाइल : राजनाथ

लखनऊ, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री सांसद राजनाथ सिंह के लखनऊ दौरे का आज तीसरा दिन है। शुक्रवार को कैंट में आयोजित प्रबुद्ध जन संवाद में उन्होंने भाजपा के कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। शहर के लोगों की भी शिकायतें भी सुनीं और समाधान का भरोसा दिया। रक्षा मंत्री ने लखनऊ के विकास पर भी बात की। उन्होंने कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है, यह हमारे लिए बड़ी उप्लब्धि है। लखनऊ की बनी मिसाइल दुश्मन जहां भी रहेंगे, उन्हें खोजकर मारेगी। इस दौरान उनकी खुशमिजाजी भी दिखी, जब उन्होंने, शहर में एक जिम लगाए जाने के सवाल कर कहा कि, जिन नहीं लग सका। इसके पीछे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कोई बेईमानी की होगी। इस दौरान वहां बैठे लोग और खुद डिप्टी सीएम हंसते रहे। लखनऊ के कैंट में कार्यकर्ताओं के संवाद

में राजनाथ सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम में पहुंचने की मेरी इच्छा थी। सिर्फ बड़े आयोजनों में शामिल होकर लौट जाना ठीक नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे इस बात की जानकारी नहीं रह पाती की लखनऊ में क्या हो रहा है। मेरे प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष और डिप्टी सीएम विकास कार्यों की जानकारी देते रहते हैं। मैं कोशिश करता हूं कि लखनऊ में विकास की रफ्तार कम न हो। राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 में जब मै पहली बार लखनऊ का सांसद बना। तब समझा की शहर में ट्रैफिक की समस्या है। मैंने 109 किमी. का रिंगरोड शहर के चारों तरफ बनवाया। इसके साथ ही 8 लेने की 104 किलोमीटर की रिंग रोड बनकर तैयार हो गई है। ऐसे बड़े प्रोजेक्ट्स से किसी भी शहर में बड़ा बदलाव आता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में 17 से 18 फ्लाइओवर प्रस्तावित हैं। 3 पर काम चल रहा है और पांच का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। 12 फ्लाईओवर मेरे सांसद बनने के बाद बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुझपे भरोसा रखें, मैं जो भी वादा करूंगा, वो जरूर पूरा होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि सिर्फ बड़े प्रोजेक्ट्स पर मेरा फोकस नहीं रहा, मैंने छोटे–छोटे कार्यों पर भी ध्यान दिया। लोगों का सेहत सुधरे, इसके लिए पार्कों में जिम प्वाइंट बनवाया। जब वहां बैठे कुछ कार्यकर्ताओं ने जानकारी दिया कि उनके पार्क में जिम नहीं लगवाया गया है तो मंत्री ने कहा कि 250 लगे हैं, 150 प्रस्तावित हैं। उसे भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा उत्तर भारत में बहुत बड़ी बात है पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण लखनऊ की धरती पर होना। उत्तर भारत में इससे पहले कभी नहीं हुआ था। बेंगलुरु और एक आज जगह और ब्रह्मोस मिसाइल बनती थी लेकिन अब लखनऊ की धरती पर ब्रह्मोस मिसाइल बना रही है। यहां से मारेंगे तो पता नहीं कितने किलोमीटर कि वह मार करेगी। भारत की शक्ति निरंतर रक्षा के क्षेत्र में बढ़ती जा रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि अभी आप लोगों ने देखा होगा कि 10 से 15 दिन पहले और इधर एक पनडुब्बी है। न्यूक्लियर प्रबंधन से चलती है पेट्रोल डीजल से नहीं चलती है मार बहुत असीमित है लेकिन खुलकर मैं उसके बारे नहीं बताऊंगा। कहां तक जाएगी या आप सोच नहीं सकते हैं। जो भी आपसी दुश्मनी साधने की कोशिश करेगा वहां तक वह मिसाइल पहुंच जाएगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की शक्ति निरंतर शक्ति बढ़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय जगत में बढ़ी है।

अस्थायी अध्यापकों को नियमित करने पर सरकार जल्द लेगी निर्णय, महाधिवक्ता ने कोर्ट को दी जानकारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता ने स्वीकार किया कि सात अगस्त 1993 से दिसंबर 2000के बीच नियुक्त अस्थायी अध्यापकों को नियमित करने पर सरकार जल्द निर्णय लेगी। वहीं, वर्ष 2000 के बाद के मामले में सुप्रीम कोर्ट के संजय सिंह केस में दिए गए फैसले के तहत फैसला लिया जाएगा। कोर्ट ने कहा माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने सरकार को सही जानकारी नहीं दी। दो मुद्दों को मिक्स कर भ्रमित कर उलझा रखा है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए आदेश की प्रति मुख्यमंत्री के समक्ष पेश करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने विनोद कुमार श्रीवास्तव की याचिका पर दिया। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट सहायता प्राप्त कॉलेजों में सहायक शिक्षकों और व्याख्याताओं के नियमितीकरण के मामले में दाखिल याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता आर के ओझा,शिवेंदु ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक खरे, अपर महाधिवक्ता अजीत कुमार सिंह ने पक्ष रखा। अपर महाधिवक्ता ने कोर्ट के आदेश के पालन के लिए कुछ समय मांगा। कहा कि आदेश की जानकारी सरकार को देंगे। उम्मीद है सरकार 1993से 2000तक नियुक्त एक हजार से अधिक अध्यापकों को नियमित किया जाएगा। वर्ष 2000 के बाद नियुक्त अध्यापकों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार कार्यवाही की जाएगी। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी कर अध्यापकों को वेतन देने व सेवा जारी रखने का निर्देश दिया है। इसके बावजूद सरकार भुगतान रोक रखा है। कोर्ट ने कहा 7अगस्त 1993से दिसंबर 2000तक नियुक्त अध्यापकों का नियमितीकरण धारा 33जी के तहत होना चाहिए।

शिक्षा सेवा चयन आयोग जारी करेगा कैलेंडर, कमेटी गठित, असिस्टेंट प्रोफेसर का रिजल्ट जल्द होगा जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) जल्द ही भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करेगा। आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने कमेटी गठित कर दी है। बृहस्पतिवार को पदभार संभालते ही उन्होंने अफसरों एवं सदस्यों के साथ बैठक कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। बैठक के दौरान उनका पूरा फोकस काम जल्द शुरू करने पर था। उन्होंने कमेटी को निर्देश दिए कि भर्ती परीक्षाओं के प्रस्तावित कैलेंडर पर 10 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इसके अलावा विज्ञापन संख्या–50 के तहत अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन विज्ञान के 13 पदों का रिजल्ट शीघ्र जारी करने के लिए भी कमेटी का गठन करते हुए रिपोर्ट मांगी है। साथ ही अध्यक्ष ने टीजीटी कला एवं जीव विज्ञान के लंबित रिजल्ट को लेकर भी कमेटी गठित करते हुए रिपोर्ट तलब की है। वहीं, विज्ञापन संख्या–42 के तहत अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के बीच में रोके गए इंटरव्यू को लेकर भी कमेटी गठित की है। पहले सीधे इंटरव्यू के माध्यम से भर्ती होती थी। अध्यक्ष जानना चाहती है कि हाईकोर्ट का स्टे हटने के बाद बीच में रोके गए इंटरव्यू को शुरू कराने में कोई तकनीकी पेच तो नहीं है। अध्यक्ष ने प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती शुरू करने के लिए संबंधित विभाग से संपर्क करते हुए अधियाचन मंगाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। यह जिम्मेदारी उन्होंने उप सचिव शिवजी मालवीय को सौंपी है। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व में कार्यवाहक अध्यक्ष की ओर से सेवा शर्तों, पटल अनुभाग, प्रक्रिया कार्य संचालन नियमावली और वेबसाइट को लेकर गठित की गईं कमेटियों की रिपोर्ट को अनुमोदित करते हुए शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव मनोज कुमार समेत सभी 12 सदस्य एवं अन्य अफसर मौजूद रहे।

प्रयागराज में बाइक समेत बांध में समाया युवकरूभाई बोला- आंखों के सामने बह गया, बचा नहीं पाएय जांच में जुटी पुलिस

मेजा। प्रयागराज के मेजा में देवरी गुलेरिया बांध में आज दर्दनाक हादसा हुआ। इस हादसे में झारखंड के एक युवक की मौत हो गई। पवन तिरकी (22) नामक युवक बाइक चलाते समय बांध के पानी में डूब गया और घटना के चार घंटे बाद उसका शव बरामद किया गया। पवन तिरकी मूलतः झारखंड जिला गुमला थाना डुमरी, बस्साटोली का निवासी था और अपने चचेरे भाई अनीश के साथ बांध घूमने आया था। अनीश ने बताया कि पवन ने उसे पानी के बाहर–बाहर पैदल चलने को कहा और खुद बाइक लेकर पानी के बीच से जाने की कोशिश की, लेकिन डूब गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक की तलाश शुरू की। घटना के चार घंटे बाद शव और बाइक को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। मृतक पवन के पिता मनोहर तिरकी कोरांव थाना क्षेत्र के कपूरी गांव के सदासहाय विद्यालय में नौकरी करते हैं और परिवार के साथ रहते हैं। पवन अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था और उसकी मौत से परिवार को गहरा आघात लगा है। पवन की मां अंजना रोते–रोते बेसुध हो गई। छोटी बहन सृष्टि और साक्षी का रो–रोकर बुरा हाल था। झारखंड से चचेरा भाई अनीश कुछ दिन पहले कोरांव घूमने आया है और उसकी आंखों के सामने पवन डूब गया। वह बेबस होकर देखता रह गया, इतना कहने के बाद वह बिलख पड़ा।इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट सख्त : कहा - सरकार को गुमराह कर रहे शिक्षा विभाग के अधिकारी, सीएम लें संज्ञान

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शिक्षकों के नियमतीकरण और वेतन भुगतान पर शिक्षा विभाग के अधिकारी सरकार को गुमराह कर रहे हैं। सही तथ्यों को छिपाकर सरकार से तरह–तरह के भ्रामक परिपत्र जारी करवा रहे हैं। लिहाजा, मामला 48 घंटे के भीतर सीएम के समक्ष पेश कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मामले में अगली सुनवाई 20 सितंबर को होगी यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने जालौन के याची विनोद कुमार श्रीवास्तव की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। मामला माध्यमिक विद्यालय में तैनात उन एक हजार तदर्थ शिक्षकों से जुड़ा है, जिन्हें नवंबर 2023 में बर्खास्त कर दिया गया था। उसके बाद तमाम अदालती आदेशों के बावजूद उनके समायोजन को लेकर कई परिपत्र जारी किए गए। उन परिपत्र के आलोक में 1993 से 2000 के बीच नियुक्त शिक्षकों को 2000 के बाद नियुक्त शिक्षकों के समान समायोजन की कोशिश की जा रही है। इसके खिलाफ 2000 से पहले नियुक्त हुए शिक्षकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरके ओझा ने दलील दी कि विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) को संबोधित परिपत्र आठ जुलाई 2024 को जारी परिपत्र का हवाला दिया। कहा कि वे शिक्षक जिनकी सहायता प्राप्त संस्थान में सेवाएं दिनांक नौ नवंबर 2023 के शासनादेश से समाप्त की गई है, उन्हें हाईस्कूल के लिए 25,000ध्–रुपये और इंटरमीडिएट के लिए 30,000ध्–रुपये के मासिक मानदेय पर पुनः नियोजित किया जा सकता है। जबकि, यह परिपत्र उन नियुक्तियों पर बाध्यकारी होगा जो 2000 के बाद की गई हैं। लेकिन, उन लोगों के लिए नहीं जो सात अगस्त, 1993 और दिसंबर, 2000 के बीच नियुक्त हुए हैं। क्योंकि, वे नियमितीकरण के लिए धारा 33–जी के अंतर्गत आते हैं। इसी तरह वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक खरे ने कोर्ट का ध्यान वेतन भुगतान न होने पर आकर्षित किया। कहा कि कोर्ट ने चार जनवरी 2024 को पारित अंतरिम आदेश में सरकार को उन शिक्षकों की बहाली जारी रखते हुए वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया था। जिनका वेतन आठ नवंबर 2023 से रोक दिया गया है। इसके खिलाफ सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट से भी खारिज हो चुकी है। फिर भी सरकार वेतन भुगतान नहीं कर रही। अपर महाधिवक्ता अजीत सिंह ने सरकार का पक्ष रखा। बताया कि बाहर किए गए शिक्षकों के नियमतीकरण और समायोजन पर सरकार जल्द फैसला लेगी। मौजूदा मामले दो प्रकार के हैं, एक वर्ष 2000 से पहले नियमितीकरण से संबंधित है, जिसे धारा 33–बी, सी, एफ, जी के प्रावधानों के तहत निपटाया जाना है। वहीं, जहां तक वर्ष 2000 के बाद की नियुक्तियों का सवाल है, उसे संजय सिंह (सुप्रा) के मामले में दिए गए निर्णय के अनुसार निपटाया जाना है। इसके द्वारा 2000 के बाद नियुक्त तदर्थ शिक्षकों को निश्चित मानदेय के साथ 11 माह के लिए समायोजित किया जाएगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने परिपत्र भी जारी किया है। वेतन भुगतान का मामला भी विचाराधीन है। दोनों पक्षों के तर्क से ऐसा प्रतीत होता है कि वास्तविक तथ्य राज्य सरकार के संज्ञान में सही ढंग से नहीं लाया जा रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारी जानबूझ कर दो मुद्दों को मिला रहे हैं। पहला, सात अगस्त 1993 से दिसंबर 2000 के बीच की गई नियुक्तियां, जिन्हें धारा 33–जी के अनुसार नियमित किया जाना आवश्यक है। जबकि दूसरा, 2000 के बाद की गई नियुक्तियां, जो संजय सिंह (सुप्रा) के मामले में दिए गए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अंतर्गत आती हैं। अधिकारियो की ओर से जारी किए जा रहे परिपत्र विधायी मंशा और धारा 33–जी के प्रावधानों के विपरीत हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य के शिक्षा विभाग के अधिकारी जानबूझकर दो मुद्दों को मिला रहे हैं और इसे जटिल बना रहे हैं।

अर्द्धसैनिक बलों में सिपाही के 39,481 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू, 14 अक्तूबर है आखिरी तिथि

प्रयागराज। अर्द्ध सैनिक बलों में सिपाही के 39,481 पदों पर भर्ती होगी। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की वेबसाइट पर भर्ती का नोटिस जारी कर दिया गया है। इसी के साथ ही ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गया है। 18 से 23 वर्ष तक के हाईस्कूल उत्तीर्ण अभ्यर्थी 14 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। इसकी ऑनलाइन परीक्षा जनवरी और फरवरी में कराई जा सकती है। सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) सिपाही भर्ती परीक्षा– 2024 के अंतर्गत बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, आईटीबीपी, असम राइफल, एसएसएफ और एनसीबी में चयन होगा। पिछले वर्ष सिपाही के 46,617 पदों के लिए भर्ती आई थी। उसके सापेक्ष इस बार पद कुछ कम है। इस भर्ती के लिए आवेदन 27 अगस्त से ही शुरू होने थे। कुछ तकनीकी कारणों के चलते सप्ताह भर बार इसे जारी किया गया है। ऑनलाइन पंजीकरण 14 और 100 रुपये फीस 15 अक्टूबर तक जमा कर सकते हैं। आवेदन करते समय लाइव फोटो अपलोड करनी होगी। इस पद के लिए उन्हीं का आवेदन मान्य होगा, जो एक जनवरी 2025 से पहले हाईस्कूल उत्तीर्ण कर चुके होंगे। आवेदन के समय ही केंद्र का विकल्प देना होगा। इसमें पुरुष अभ्यर्थी की लंबाई 170 और महिला की लंबाई 157 सेंटीमीटर होनी चाहिए। आवेदन में कोई गलती होने पर पांच से सात नवंबर तक संशोधन का मौका दिया जाएगा। सिपाही पद पर चयन के लिए 160 अंक की एक परीक्षा कराई जाएगी। उसमें सामान्य बुद्धिमत्ता और रीजनिंग, सामान्य ज्ञान, गणित और हिंदी व अंग्रेजी के 80 प्रश्न पूछे जाएंगे। यह परीक्षा एक घंटे की होगी। एनसीसी सी सर्टिफिकेट वाले अभ्यर्थियों को पांच, बी वाले को तीन और ए वाले को दो प्रतिशत बोनस अंक मिलेगा। इसमें सफल होने के बाद शारीरिक मानक और दक्षता परीक्षण होगा। पुरुष अभ्यर्थी को 24 मिनट में पांच किलोमीटर और महिला को 8.5 मिनट में 1.6 किलोमीटर दौड़ना होगा। इसमें सफल होने वालों मेडिकल होगा और फिर मेरिट के आधार पर रिक्त पदों के सापेक्ष अंतिम रूप से चयन होगा।

गर्लफ्रेंड को छोटे कपड़ों में देख फूटा गुस्सा, गला दबाकर की जमकर पिटाई, पुलिस बोली अभी नहीं आ सकते

प्रयागराज। नैनी एग्रीकल्चर कॉलेज में बंगाल की एक छात्रा को मां के सामने गला दबाकर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्रा को स्पोर्ट्स के कपड़े में देखकर आरोपी दोस्त भड़क गया और उसने मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान छात्रा बेहोश हो गई। आरोप है कि बीच बचाव करने आई मां से भी मारपीट की गई। मामले में छात्रा की मां ने आरोपी दोस्त के खिलाफ नैनी थाने में तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार, बंगाल की रहने वाली छात्रा नैनी स्थित एग्रीकल्चर कॉलेज में बीबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है। वह कॉलेज के ही हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करती है। उसका पूरा परिवार बंगाल में रहता है। छात्रा की मां ने बताया कि शाहगंज क्षेत्र का रहने वाला आरोपी यथार्थ सोनकर उनकी बेटी के कॉलेज में पढ़ाई करता है। उनकी बेटी और यथार्थ दोनों दोस्त थे। 29 अगस्त को उनकी बेटी कैंपस के अंदर स्पोर्ट्स के कपड़े में वालीबॉल खेल रही थी। बेटी को छोटे कपड़ों में देखकर आरोपी यथार्थ भड़क गया और उसकी पिटाई शुरू कर दी। इस बात की सूचना उन्हें मिली तो वह बंगाल से सोमवार को प्रयागराज पहुंचीं। उसके बाद मंगलवार को बेटी के साथ यथार्थ के घर पर शिकायत लेकर गई तो वहां पर भी उनकी बेटी से उसने मारपीट की। उसके बाद उसने शाहगंज थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की, लेकिन पुलिस ने मामले में समझौता करा दिया। मां का आरोप है कि तीन सितंबर शाम करीब 5रू30 बजे यथार्थ सोनकर उनके बेटी को फोन कर मिलने के लिए कहा, लेकिन उसने मिलने से इन्कार कर दिया। इस पर यथार्थ ने फोन पर धमकी देते हुए कहा कि तुम्हें जहां जाना हो चली जाओ, तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाओगी। बुधवार को सुबह जब उनकी बेटी कॉलेज के कंप्यूटर लैब में पहुंची तो वहां पर यथार्थ पहले से मौजूद था, जहां उसने फिर से मारपीट की। उनकी बेटी ने उन्हें फोन कर मामले की जानकारी दी तो वह हॉस्टल से बेटी के पास पहुंची। इस दौरान आरोपी यथार्थ उनकी बेटी का गला दबाकर बेरहमी से पीटने लगा, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ी। आरोप है कि नैनी पुलिस को फोन किया तो वह बोले बरसात हो रही है अभी नहीं आ सकते। उसके बाद वह अन्य छात्रों की मदद से बेटी को कॉलेज के अस्पताल में इलाज के लिए ले गई, जहां से उसे एसआरएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। फिलहाल छात्रा का इलाज चल रहा है। इस संबंध में नैनी इंस्पेक्टर वैभव सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। इसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

थीम आधारित लाइटें और 84 प्रवेश द्वार कराएंगे महाकुंभ की भव्यता का एहसास, 20 करोड़ रुपये होंगे खर्च

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में अलग–अलग अखाड़ों के साधु–संतों के दर्शन, धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन इसे अद्भुत बना देते हैं। शहर में थीम आधारित लाइटों के अलावा खास आकार वाले प्रवेश द्वार और स्तंभ श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे। साथ ही उन्हें महाकुंभ की दिव्यता का अनुभव कराएंगे। इसके लिए सड़कों के अलावा अन्य प्रमुख स्थलों पर कुल 84 थीमेटिक द्वार बनाए जाएंगे, जिस पर 20.33 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद के अनुसार, पूरे शहर तथा आसपास के क्षेत्र को कुंभमय करने की योजना को अंतिम रूप दिया जाने लगा है। इस क्रम में शहर को जोड़ने वाले चारों मार्गों पर भव्य गेट बनाने एवं उन्हें सजाने का निर्णय लिया गया है। इनमें से वाराणसी, लखनऊ एवं मिर्जापुर रोड पर गेट बने हुए हैं। इसी क्रम में कानपुर मार्ग पर कैलाश द्वार बनाने का निर्णय लिया गया है। इन प्रवेश द्वारों को विशेष तरीके से सजाया जाएगा। इसके तहत ऊं, तीर–धनुष, संगम में स्नान करते साधू, शंख समेत महाकुंभ की महात्म को बताने वाली आकृतियां वाले स्तंभ लगाए जाएंगे। सभी पर कलश की आकृति भी खास होगी। उन्होंने बताया कि स्थान चिह्नित करने के साथ ही अन्य प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही निर्माण शुरू कराया जाएगा। सीएंडडीएस (कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विस) के वरिष्ठ स्थानिक अभियंता विनय शुक्ला ने बताया कि कुंभ की आकृतियों को खास तरह की लाइटों से सजाया जाएगा ताकि, दूर से इसे देखा जा सके और श्रद्धालु एवं पर्यटक इसकी अलौकिक भव्यता का अनुभव कर सकें। आकृतियों वाले प्रवेश द्वार पर भरद्वाज आश्रम कॉरिडोर, बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर तथा अक्षयवट कॉरिडोर भी अंकित होंगे। इनके अलावा एयरपोर्ट तथा अन्य प्रमुख स्थलों पर इसी तरह के प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। महाकुंभ में स्ट्रीट लाइटें भी श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का स्वागत करती नजर आएंगी। शहर को दूसरे जिलों को जोड़ने वाले तथा शहरी क्षेत्र में संगम की तरफ जाने वाले हर मार्ग पर थीमेटिक लाइटें लगाई जाएंगी,

महिला एडवोकेट हत्याकांड पर वकीलों में आक्रोश: यूपी बार काउंसिल बोला- जैसे बंगाल में महिला डॉक्टर की हत्या हुई, वैसा ही हुआ

प्रयागराज। प्रयागराज में कासगंज की घटना को लेकर वकीलों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। यूपी बार काउंसिल की तरह से इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश को पत्र लिखकर न्यायिक कामों को बंद कर हड़ताल पर रहने का फैसला लिया है। बार काउंसिल का कहना है कि महिलाओं के खिलाफ लगातार अपराध बढ़ते जा रहे है। बीते 4 सितम्बर को महिला वकील मोहनी तोमर की कासगंज में बेरहमी से हत्या कर दी। लाश को नग्न अवस्था में नहर में फेंक दिया। पुलिस ने अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। जिससे सभी अधिवक्ताओं में आक्रोश है। उनका कहना है कि बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ हुई बर्बरता की घटना के बाद पूरे देश में डॉक्टर समाज के लोगों ने पीड़िता को इंसाफ दिलाने के लिए ओपीडी से बंद कर दी थी। वहीं न्याय की मांग को लेकर हड़ताल पर रहे। उसी तरह कासगंज की घटना को लेकर अधिवक्ता समाज में भी गुस्सा है। बार काउंसिल का कहना है कि जब तक महिला वकील के हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होती और उनको कड़ी से कड़ी सजा नहीं दी जाती है, तब तक सभी अधिवक्ता कार्य से अलग रहेंगे। अधिवक्ताओं ने हाई कोर्ट से मांग की है कि जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर आदेश जारी किए जाए। कासगंज की घटना को लेकर बनारस बार एसोसिएशन ने भी मांग की है कि सरकार अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करें। वहीं महिला वकील के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही वकीलों से जुड़ी समस्याओं को लेकर निस्तारण की मांग की है। मांगे न पूरी होने पर कोर्ट परिसर में 2 दिन तक सत्याग्रह होगा। सोमवार को आन्दोलन की अगली रणनीति पर विचार करेंगे। अधिवक्ताओं ने यह भी तय किया कि मांगे माने जाने तक आन्दोलन जारी रहेगा और प्रदेश भर के अधिवक्ताओं से आग्रह किया जाए कि शान्तिपूर्ण से आन्दोलन सत्याग्रह में सम्मिलित हो।

400 करोड़ की ठगी के मामले में 450 पन्नों की चार्जशीट दाखिल, अभिषेक समेत छह बनाए गए आरोपी

प्रयागराज। प्रॉपर्टी–शेयर में निवेश के नाम पर 400 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में पुलिस ने बृहस्पतिवार को निहारिका वेंचर्स के एमडी अभिषेक द्विवेदी समेत छह आरोपियों के खिलाफ ट्रायल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। करीब 450 पन्नों की चार्जशीट में पुलिस ने सभी को आरोपी बनाया है। बीते छह जून को शिवकुटी थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया था। मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अभिषेक द्विवेदी, उसके पिता डॉ. ओम प्रकाश, सास निरुपमा, ड्राइवर शैलेंद्र, मददगार टीकम चंद्र जायसवाल, पार्टनर नरेन्द्र सिंह नेगी को गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच में पता चला था कि आरोपी अभिषेक ने पार्टनर के साथ मिलकर अयोध्या, नोएडा समेत अन्य जगहों पर करोड़ों रुपये की जमीन की डील की थी। वहीं, पूछताछ में आरोपी अभिषेक ने अपने ऊपर लगे ठगी के आरोप को बेबुनियाद बताया था। मामले में पुलिस ने अब उक्त सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट बनाकर दाखिल कर दी है। अब जल्द ही कोर्ट में केस का ट्रायल चलेगा। निवेशकों ने पुलिस को बताया था कि इस ठगी में आरोपी अभिषेक की पत्नी निहारिका भी शामिल है। पुलिस ने निहारिका को दबोचने के लिए गोविंदपुर स्थित घर से लेकर अयोध्या तक दबिश दी लेकिन पुलिस अबतक निहारिका को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को निहारिका की लोकेशन पता चल गई है। बताया गया कि उसपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। पुलिस को दी तहरीर में कौशल ने बताया था कि सिविल लाइंस में निहारिका वेंचर्स नाम की कंपनी है। यह कंपनी रियल एस्टेट और शेयर बाजार में लोगों का पैसा निवेश करती है। लालच दिया जाता है कि हर महीने पांच से छह फीसदी मुनाफा दिया जाएगा। इसी लालच में फंसकर करीब 70 से 80 लोगों ने लाखों रुपये निवेश किए थे। मालिकों का कहना था कि चुनाव के कारण पैसे देने में देरी हो रही है। चुनाव खत्म होते ही सभी के पैसे लौटा दिए जाएंगे। लेकिन, इस बीच पता चला कि कंपनी ने अपना ऑफिस बंद कर दिया।

एसटीएफ ने प्रयागराज से पकड़ा, पुलिस भर्ती परीक्षा का लीक पेपर रीवां के रिसोर्ट में पढ़ाया था

प्रयागराज। यूपी एसटीएफ की प्रयागराज यूनिट ने भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक कराने वाले दो शातिरो को अरेस्ट किया है। पकड़े गए जालसाजों ने समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा– 2023 और उत्तर प्रदेश आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा– 2023 का प्रश्नपत्र लीक कराया था। इनके गैंग के अन्य सदस्य जेल जा चुके हैं। आरोपी संजय सिंह कुशवाहा और कामेष्वर नाथ मौर्या फरार चल रहे थे। शुक्रवार को एसटीएफ ने प्रयागराज के कीडगंज इलाके से गिरफ्तार कर लिया। दोनों काली स्कार्पियों से भाग रहे थे। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने के बाद अभ्यर्थियों को रीवां के रिसोर्ट ले जाया गया था। वहीं सभी अभ्यर्थियों से रुपये लिए गए और उन्हें पेपर पढ़वाया गया। रिसोर्ट मालिक को इसके लिए 5 लाख रुपये दिए गए थे। उ0प्र0 लोक सेवा आयोग की ओर से समीक्षा अधिकारीध सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा–2023 11–02–2024 को कराई गई थी। इसी इसके बाद उ0प्र0 आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा– 2023 की परीक्षा आयोजित हुई थी। उक्त परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व ही प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने की शिकायत मिलने पर सरकार ने परीक्षाओं को निरस्त करते हुए प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच एसटीएफ को सौंप दी थी। एसटीएफ के उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह, निरीक्षक जय प्रकाश राय जांच में जुटे थे।

सूचना: मैं शिव पूजना पुत्र दूधनाथ यादव, नि0- ग्राम व पोस्ट- करनाईपुर, सिकन्दरा, तह0- फूलपुर, प्रयागराज जो कि गजेन्द्र कुमार पुत्र कुंज बिहारी नि0- पोस्ट- धीगुर, ग्राम- सराय जीत राय (परनु का पुरा) शहबाजपुर, प्रयागराज से क्रय कर रहा हूँ। जो ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट संख्या-1 (भूतल) ब्लॉक-38 एवं फ्लैट संख्या-3 (प्रथम तल) ब्लॉक-38 गोविन्दपुर आवास योजना प्रयागराज में स्थित है। यह कि उक्त सम्पत्ति के पूर्व स्वामी संजय प्रताप सिंह पुत्र श्री रामपाल सिंह के पक्ष में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा जारी अवंटन पत्र दिनांक 14.02.1986, कब्जापत्र दिनांक 03.04.1986 व उनके पक्ष में निष्पादित पट्टा विलेख जो पुस्तक सं.-1 खण्ड-1977 के पृष्ठ सं. 77 से 92 पर दस्तावेज सं. 843 दिनांक 08.02.2000 व विक्रय विलेख जो पुस्तक सं.-1 खण्ड-1977 के पृष्ठ सं. 93 से 106 पर दस्तावेज सं. 844 दिनांक 08.02.2000 को उप निबंधक सदर प्रयागराज के कार्यालय में दर्ज है, मूल दस्तावेज खो गया है। जिसकी एफ.आई.आर. सं.- 20240000725229 दिनांक 06.09.2024 और थाना प्रयागराज में दर्ज है, मैं उक्त सम्पत्ति को क्रय करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक की सिविल लाइन्स शाखा (कोड सं.-18245) से गृह कर ले रहा हूँ उक्त सम्पत्ति भारतीय स्टेट बैंक को R.S.C.P.C. शाखा में बन्धक रहेगी। मो.- 8957297174

एसपी डॉ0 अनिल कुमार के निर्देशन में थाना महेशगंज पुलिस द्वारा लूट की घटना का सफल अनावरण

01 शातिर अभियुक्त को लूट का 01 टैबलेट व 4700 रूपये नकद के साथ गिरफ्तार किया गया

थाना महेशगंज क्षेत्रान्तर्गत दिनांक 02.09.2024 को दोपहर में कुछ अज्ञात बदमाशों फाइनेंश कर्मी का बैग व 01 मोबाइल छीनकर भाग निकले थे, बैग में करीब 40 हजार रूपये व 01 टैब होना फाइनेंस कर्मी द्वारा बताया गया था

घटना के संबंध में थाना महेशगंज में अन्तर्गत धारा 309(4) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया गया था

एएसपी (पश्चिमी) संजय राय व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना महेशगंज पुलिस की बड़ी कार्यवाही

थाना महेशगंज पुलिस द्वारा लूट की घटना से संबंधित 01 शातिर अभियुक्त को लूट के 01 टैबलेट (सैमसंग कम्पनी) व 4700 रूपये नकद के साथ क्षेत्रान्तर्गत बघवाइत नहर पटरी के पास से गिरफ्तार किया गया

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी श्री संजय राय व क्षेत्राधिकारी सदर श्री अमर नाथ गुप्ता के पर्यवेक्षण में दिनांक 06.09.2024 को थाना महेशगंज से उ0नि0 विवेक कुमार यादव' मय हमराह उ0नि0 अजय कुमार, हे0का0 इरफान अहमद, का0 बिपिन यादव, का0 लाल बहादुर वर्मा द्वारा विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान इलेक्ट्रॉनिकध्मैनुअल साक्ष्यों व सर्विलांस टीम की मदद व मुखबिर की सूचना पर थाना महेशगंज में पंजीकृत मु0अ0सं0 189ध्24 धारा 309(4) बीएनएस से संबंधित 01 शातिर अभियुक्त मुकेश सरोज पुत्र महेश उर्फ झगरू सरोज निवासी सांभरपुर निरयावां थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़ को लूट के 01 टैबलेट (सैमसंग कम्पनी) व 4700ध्– रूपये नकद के साथ क्षेत्रान्तर्गत बघवाइत नहर पटरी के पास से गिरफ्तार किया गया । बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है।

'पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया' कि दिनांक 02.09.2024 को दोपहर वह अपने 02 साथियों रिन्कू यादव पुत्र श्री यादव निवासी ग्राम बसावन लाला का पुरवा थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़ व एक व्यक्ति अज्ञात जो रिन्कू के साथ गाड़ी पर आया हुआ था, मिलकर पूरे हरिकेश नहर पटरी पर एक मोटरसाइकिल सवार को गिराकर जबरदस्ती उसका बैग छीन लिए थे, बैग में 43 हजार रूपये व सैमसंग टैबलेट, एक पर्स जिसमें कुछ पैसा व पैनकार्ड था तथा जाते समय गाड़ी की चाबी और उसका मोबाइल भी छीनकर ले गये थे । जिसमें से मुझे 10 हजार रूपये व 01 टैब मिला था बाकी का पैसा व सामान रिन्कू व उसके साथी के पास है ।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम–

मुकेश सरोज पुत्र महेश उर्फ झगरू सरोज निवासी सांभरपुर निरयावां थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़

बरामदगी : लूट का 01 सैमसंग टैबलेट व 4700ध्– रूपये।

पुलिस टीम – उ0नि0 विवेक कुमार यादव मय हमराह उ0नि0 अजय कुमार, हे0का0 इरफान अहमद, का0 बिपिन यादव, का0 लाल बहादुर वर्मा थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़।

धृतराष्ट्र सी आंख

जहां धृतराष्ट्र सी आंख हो जाए,
ज्ञानी सभी जहां मौन हो जाएं,
अधर्म की गति तीव्र होने लगे,
वहां महाभारत का युद्ध हो जाए।

राजनीति जब शिक्षा में आ जाए,
शिक्षा की गुणवत्ता समाप्त हो जाए।
ईमानदारी पर जब सवाल उठने लगे,
खड़ी इमारत की नींव ढह जाए।

समाज कैसे सुशिक्षित हो पाए।
जब शिक्षा ही व्यापार बन जाए।
रिश्ते नातों में स्वार्थ पनपने लगे,
वहां मानवता जार जार हो जाए।

देश की सुरक्षा समाप्त हो जाए,
जब रक्षक ही भक्षक बन जाए।
स्वार्थ सिद्धि में कदम बढ़ने लगे,
वहां देश का विकास रुक जाए।

रेनू मिश्रा दीपशिखा
प्रयागराज उत्तर प्रदेश

शिक्षक दिवस पर खानम आर्ट गैलरी में अनोखी अंब्रेला डेकोरेशन प्रतियोगिता

प्रयागराज। डॉ जाहेदा खानम की देखरेख में खानम आर्ट गैलरी छात्रों को प्रेरित करने और उनके रचनात्मक और कुशल दिमाग का पोषण करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर ऐसी

ही एक अनूठी पहल, छाता सजाने की प्रतियोगिता रखी गई, जिससे छात्रों को सामान्य से अलग सोचने और अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने का अवसर मिला । इस कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम 5 सितंबर, 2024 को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक खानम आर्ट गैलरी में हुआ।खानम आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ जाहेदा खानम एवं अतिथियों ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया। विशिष्ट अतिथि एवं निर्णायक मंडल में निवर्तमान कार्यकारिणी सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति मंत्रालय उ.प्र.के प्रख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं वरिष्ठ कलाकार तलत महमूद और कलाकार सादमा वसी रहे। प्रारंभ में अतिथियों को पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम संचालन तलत महमूदने किया। बड़ी संख्या में प्रतियोगी बच्चे गार्जियन मौजूद रहे और गैलरी द्वारा आयोजित पिकनिक पार्टी का आनंद उठाया।

कल संकाय परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कला संकाय परिसर में चलाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा 2024 में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए

मनोविज्ञान विभाग के डॉ. चन्द्रांशु सिन्हा ने कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी। मनोविज्ञान विभाग के डॉ. नरसिंह कुमार ने कहा हमारा कर्तव्य है कि हम गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। मनोविज्ञान विभाग के डॉ. शांति सुमन ने कहा कि दुनिया के जो देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहाँ के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि हमें स्वच्छता के प्रति सजग रहते हुए हर वर्ष कम से कम सौ घंटे यानी हर सप्ताह दो घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस महाअभियान में शामिल होना चाहिए।अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पंकज त्रिपाठी ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज प्रकाश ने किया। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग के डॉ. जयसिंह, डॉ. मीनाक्षी, संस्कृत विभाग के डॉ. संदीप यादव सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नगर निगम की टीम पर हमला, अवैध डेयरी हटाने पहुंची थी टीम

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में अवैध डेयरी हटाने गई नगर निगम के साथ मारपीट की गई। टीम ने जो जानवर पकड़े थे, उनको भी छुड़ा लिया। समाजवादी पार्टी के पार्षद पंकज यादव और उनके सहयोगियों पर नगर निगम कर्मचारियों ने मारने और गाड़ी से जानवर छुड़ाने का आरोप लगा है। नगर निगम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिनव वर्मा ने बताया कि पार्षद और उनकी टीम ने ड्राइवर, हेल्पर और बाकी कर्मचारियों को मारा है। अब इस पूरे मामले में नगर निगम की तरफ से गुडंबा थाने में तहरीर दी गई है। कोर्ट के आदेश पर नगर निगम की टीम शहरी अवैध डेयरियों को हटाने का अभियान चला रही है।

इंदौर में विश्व प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किए गए ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के युवा कवि अमरजीत राम

प्रयागराज। हिंदी सेवा समिति पंजीकृत संबलपुर उड़ीसा भारत एवं विश्व हिंदी, साहित्य,संगीत,कला,संस्कृति अकादमी पंजीकृत इंदौर मध्यप्रदेश भारत के संयुक्त तत्वावधान में 5 सितम्बर 2024 , शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी का मुख्य विषय पुस्तक विमोचन, कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह रहा। हिंदी साहित्य ,संगीत, कला और संस्कृति पर आधारित रचनात्मक लेखन कर रहे देश और विदेश के तमाम रचनाकारों को उनकी कृति और रचना के लिए यह सम्मान अकादमी द्वारा प्रदत्त किया जाता है।इस क्रम में हिंदी विभाग, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ,प्रयागराज के सहायक आचार्य एवं युवा कवि अमरजीत राम को विश्वाकाश के चमकते सूर्य भाग–1 अंतरराष्ट्रीय परिचय ग्रन्थ और विश्वाकाश के चमकते सूर्य भाग –2 अंतरराष्ट्रीय काव्यकोष में इनकी अनेक महत्वपूर्ण कविताएं प्रकाशित की गयी हैं। इस महत्वपूर्ण रचना कर्म के लिए अकादमी ने इनको विश्व प्रतिभा

श्विश्वाकाश के चमकते सूर्य सम्मानश (अंतरराष्ट्रीय सम्मान) और श्सार्वभौम जीवन उपलब्धि ा विश्व शिक्षक सम्मानश (अंतरराष्ट्रीय सम्मान) से समानित किया गया।

तीज पर्व पर भयहरण नाथ धाम में हुई भीड़

हजारो निर्जला ब्रती महिलाओ ने किया पूजन
लगा मेला/आस्था का दिखा अद्भुत नजारा

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में परम्परागत तीज पर्व में भारी भीड़ हुई । समीपवर्ती प्रयागराज व प्रतापगढ़ के क्षेत्रीय ग्रामो की हजारो निर्जला ब्रती महिलाओ ने पूजन अर्चन किया । दोपहर के बाद चारों दिशाओं से रंग बिरंगी परिधानों से परिपूर्ण महिलाओ का हुजूम धाम परिसर को तेज उत्सवमय कर दिया।

महासचिव समाज शेखर ने बताया की मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र के देखरेख में सभी पुजारियों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने बताया की देर शाम तक हजारो महिलाओ का

सपरिवार आवागमन होता रहा। अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह ने पर्यवेक्षन करके सभी व्यवस्था में सहयोग किया। वहीं संरक्षक लालता प्रसाद मिश्र व देवी प्रसाद मिश्र ने सभी का मार्गदर्शन किया। सहायक पुजारी रामू तिवारी, बिच्छू महाराज, धोनू सिंह, चंदन तिवारी, धनपतिया देवी, अंजनी तिवारी, विवेक सिंह , धर्मेंद्र पटेल आदि ने भूमिका निभाई। नगर पंचायत के स्वच्छता गृहियो ने स्वच्छता नायक राज कुमार के नेतृत्व मे सहयोग किया। पुलिस की सुव्यवस्था चौकी प्रभारी गणेश पटेल के संयोजन मे हुई।

महापुरूषों के मामले में राजनीति ठीक नहीं, छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिरने पर मायावती ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ, एजेंसी। महाराष्ट्र के राजकोट किले में बीते माह छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में राजनीति की भर्त्सना करते हुए बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अध्यक्ष मायावती ने कहा कि महापुरुषों के किसी भी मामले में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए और इसकी आड़ मे राजनीति से बचना चाहिए। मायावती ने आज यानी शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने पोस्ट कर लिखा, किसी भी समुदाय व धर्म से जुड़े राजा, महाराजाओं, सन्तों, गुरूओं व महापुरूषों के किसी भी मामले में नकारात्मक नहीं बल्कि सकारात्मक सोच रखनी चाहिये तथा इसकी आड़ में कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं। उन्होने कहा ''इनकी मूर्तियों को लगाने व नाम रखने आदि का भी इस्तेमाल, सकारात्मक नजरिये से होना चाहिये, ना कि इनकी आड़ में किसी भी प्रकार का द्वेष पूर्ण व राजनीतिक स्वार्थ छिपा होना चाहिये। जो अब देखने के लिए मिल रहा है। अति दुर्भाग्यपूर्ण। बसपा अध्यक्ष मायावती ने एक अन्य पोस्ट में कहा ''महाराष्ट्र की तरह अन्य किसी भी राज्य में खुद मूर्ति गिरने पर सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध सख्त

कार्यवाही होनी चाहिये, ना कि इसकी आड़ में कोई राजनीति होनी चाहिये, तो यही बेहतर होगा। गौरतलब है कि 26 अगस्त को तेज हवाओं के कारण छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा ढह गई थी। इस मामले में वांछित मूर्तिकार जयदीप आप्टे को ठाणे जिले के पड़ोसी कल्याण शहर से गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि इस घटना ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विवाद को जन्म दिया, विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करनी शुरू कर दी। आप्टे की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा ''जो लोग हमारी सरकार के आलोचक थे उन्हें अब अपना मुंह बंद कर लेना चाहिए। यह सच है कि पुलिस ने जयदीप आप्टे को गिरफ्तार करने में थोड़ा समय लगाया लेकिन पुलिस ने अपना काम किया। इसी पर मामले में मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि 28 फीट की कांस्य प्रतिमा का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार दिसंबर 2023 को सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस समारोह के दौरान किया था।

69 हजार शिक्षक भर्ती मामला, अभ्यर्थियों ने घेरा डॉ. संजय निषाद का आवास

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन जारी है। अभ्यर्थी धरना प्रदर्शन कर अपना पक्ष रख रहे है। कल सीएम योगी आदित्यनाथ अभ्यर्थियों से मुलाकात करेंगे। इससे पहले आज यानी शुक्रवार को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद के आवास का घेराव किया है। अभ्यर्थियों ने उनके आवास के सामने धरना प्रदर्शन और नारेबाजी की है। जानकारी के मुताबिक, आज अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद के आवास के सामने प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। अभ्यर्थियों ने सरकार पर भर्ती में आरक्षण का घोटाला करने का आरोप लगाया है और पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग की है। बता दें कि इसके पहले अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री ओम प्रकाश राजभर और आशीष पटेल के आवास का भी घेराव किया। ओपी राजभर ने अभ्यर्थियों से मुलाकात की। उन्होंने अभ्यर्थियों से शिकायत पत्र लिया। फिर उनकी मांग को सुना। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीएम योगी पर भरोसा रखिए आप को न्याय मिलेगा। बता दें कि 69000 शिक्षक भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सेवा सुरक्षा आदि को लेकर रिट दायर की थी। रवि सक्सेना आदि की इस रिट पर 9 सितंबर को चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ सुनवाई करेगी। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी विनय पांडेय ने बताया कि इस मामले में कई रिट हुई हैं। उम्मीद है कि सभी पर एक साथ 9 सितंबर को सुनवाई होगी। इसमें एक ही भर्ती में कई बार आरक्षण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों से शनिवार की शाम को गोरखपुर में मिलेंगे। इस संबंध में पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर व लखनऊ प्रशासन ने अभ्यर्थियों को सूचना दे दी है।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने पदभार किया ग्रहण

लखनऊ, एजेंसी। महिला आयोग की नव निर्वाचित अध्यक्ष बबिता चौहान ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने कहा कि आयोग महिलाओं के उत्थान के लिए काम करेगा। सरकार महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। जो भी मामले संज्ञान में आएंगे उनके लिए काम किया जाएगा। पेंडिंग शिकायतों के समाधान पर उन्होंने कहा कि उनका भी निस्तारण किया जाएगा। महिला आयोग में करीब 6 हजार पेंडिंग मामले हैं। वहीं, आयोग के कई सदस्यों ने भी आज पदभार ग्रहण किया है। महिला आयोग की अध्यक्ष ने आज पदभार ग्रहण किया, लेकिन उपाध्यक्ष बनाई गई अर्पणा यादव पदभार ग्रहण करने नहीं पहुंची हैं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि मीडिया ही यह बात कह रही है कि वह नाराज हैं। बता दें कि भाजपा ने 3 सितंबर को अपर्णा यादव को राज्य महिला आयोग का उपाध्यक्ष बनाया था लेकिन, यह पद अपर्णा को रास नहीं आ रहा। उन्होंने 3 दिन बाद भी कार्यभार ग्रहण नहीं किया। उनकी नाराजगी सामने आ रही है। उन्होंने भाजपा आलाकमान से बातचीत कर असंतोष भी जाहिर कर दिया है।

हाईवे पर विधायक के भाई ने की फायरिंग, सीसीटीवी देखकर पुलिस ने खुद की एफआईआर

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर आधी रात को फायरिंग से लोग दहशत में आ गए। हाईवे पर बने आदर्श ढाबे पर किसी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मारपीट हुई और फायरिंग की गई। चिनहट पुलिस ने सीसीटीवी देखकर खुद ही केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि काले रंग की एसयूवी सवार और उसके साथ के 4 सिक्योरिटी गार्ड्स ने मारपीट की। दोनों पक्षों में पहले मारपीट हुई। इसके बाद फायरिंग की गई। मौके से पुलिस को चार खाली खोखे और एक जिंदा कारतूस मिला है। चर्चा है कि फायरिंग में शामिल लोगों में बाराबंकी के एक विधायक का भाई भी था। हालांकि, पुलिस अभी पुष्टि नहीं कर रही है। पुलिस ने इसकी फुटेज के आधार पर जांच को आगे बढ़ाई है। टोल प्लाजा पर लगे कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि आदर्श ढाबे की पार्किंग में कुछ लोगों के बीच विवाद हो रहा है। उस वक्त रात के करीब 12.30 बजे थे। काले रंग की एसयूवी से कुछ लोग निकलते हैं और दूसरे पक्ष से कहासुनी शुरू हो जाती है। इसके बाद कार सवार व्यक्ति और उसके चार सुरक्षा गार्ड दूसरे पक्ष को दौड़ा–दौड़ाकर पीटना शुरू कर देते हैं। बताया जा रहा है इस दौरान पांच से छह राउंड फायर भी किया गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। जानकारी के मुताबिक, घटना में एक युवक घायल हुआ है, लेकिन वह कहां गया? किसी को पता नहीं है। मौके पर पुलिस को खून के धब्बे मिले। गोली के चार खाली खोखे और एक जिंदा कारतूस मिला है।

सम्पादकीय.....

जल्दीबाजी का कानून

हाल ही में कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार और हत्या की घटना ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। इसको लेकर पश्चिम बंगाल व देश के अन्य भागों में चिकित्सा बिरादरी के लोग व छात्र–छात्राएं आंदोलनरत रहे हैं। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद घटना थी। लेकिन इस मुद्दे को लेकर जिस तरह की राजनीति होती रही है, वह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। विडंबना है कि एक अमानवीय घटना को राजनीतिक अस्त्र बनाने और उसका प्रतिकार करने का माध्यम बना दिया गया। इसी कड़ी में आनन–फानन में बुलाए गए पश्चिम बंगाल विधानसभा के सत्र में जल्दीबाजी में बलात्कार विरोधी विधेयक 'अपराजिता' पारित कर दिया गया। यदि किसी महिला के साथ बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या उसे छोड़ भी दिया जाता है, तो विधेयक बलात्कारी के लिये मृत्युदंड का प्रावधान करता है। कहा जा रहा है कि दुराचार के बाद युवा डॉक्टर की निर्मम हत्या के बाद पश्चिम बंगाल में जो आक्रोश आम लोगों में उपजा है उसको दबाने की यह एक राजनीतिक निहितार्थ वाली प्रतिक्रिया है। दरअसल, यह विधेयक जनता के व्यापक विरोध के बाद सामने आया है। जनता ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से न्याय और जवाबदेही की मांग करती रही है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि विधेयक का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शासन की प्रतिबद्धता के प्रति आश्वस्त करना है। हालांकि, ममता सरकार द्वारा आनन–फानन में लाए गए विधेयक ने इस बात को लेकर बहस छेड़ दी है कि यह कदम राज्यव्यापी असंतोष को शांत करने के लिये महज राजनीति से प्रेरित प्रतिक्रिया है। दरअसल, राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेता जनता के भारी विरोध का सामना कर रहे हैं। हाल ही में आंदोलनकारी प्रशिक्षु डॉक्टरों पर भीड़ के हमले और प्रदर्शन के दौरान पुलिस के दमन से लोगों में भारी गुस्सा है। यही नहीं, टीएमसी के कई नेताओं की असंवेदनशील टिप्पणियों ने भी आंदोलनकारियों के आक्रोश को और बढ़ाया है। दरअसल, राज्य के लोगों खासकर महिलाओं में इस बात को लेकर भी गुस्सा है कि जिस राज्य में एक महिला मुख्यमंत्री हो, वहां एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार व हत्या के मामले में राज्य सरकार ने ईमानदार प्रतिक्रिया नहीं दी। टीएमसी के कई नेताओं द्वारा की गई अनर्गल बयानबाजी ने भी आग में घी डालने का काम किया। दरअसल, राज्य सरकार ने इस कांड में किरकिरी होते देख मामले को दबाने का प्रयास किया। पीड़िता के परिवार ने भी उनके साथ किये गए व्यवहार को लेकर तीखा प्रतिवाद किया था। फिर प्राथमिकी दर्ज करने में देरी व मेडिकल कालेज के परिसर में आंदोलनरत छात्रों पर एक भीड़ के हमले ने यह संदेश दिया कि मामले को दबाने की कोशिश हो रही है। इस तरह के कृत्यों से राज्य में घटना का विरोध और तेज होता चला गया। निस्संदेह, इस मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा जमकर राजनीति की गई, लेकिन जिस तरीके से राज्य सरकार व प्रशासन ने मामले में प्रतिक्रिया दी, उसने लोगों के गुस्से को बढ़ाया ही है। एक पहलू यह भी है कि नया विधेयक केंद्र की भारतीय न्याय संहिता के साथ तालमेल नहीं रखता, जो बलात्कार के लिये मृत्युदंड का प्रावधान नहीं करती। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के इसी तरह के विधेयक राष्ट्रपति की अनुमति के लिये जूझते रहे हैं। दरअसल, विगत के अनुभव बताते हैं कि मौत की सजा इस तरह के अपराधों पर नियंत्रण करने में सफल नहीं हुई है। कानून के विशेषज्ञ ऐसी तुरत–फुरत सजा को मानव अधिकारों की प्रकृति के विरुद्ध बताते रहे हैं। तभी विधेयक के पारित होने को टीएमसी सरकार की हताशा से उपजा कदम बताया जा रहा है। आने वाले वक्त बताएगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद जमीनी हकीकत में बदलाव लाएगा या फिर कानूनों की लंबी सूची में इजाफा ही करेगा। हालांकि, इस विधेयक को अभी राज्यपाल व राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार करना है, फिर इसकी प्रभावकारिता और नैतिक निहितार्थों से जुड़े व्यापक प्रश्न हमारे सामने खड़े हैं। बेहतर होगा कि राज्य सरकार ऐसे मामलों में जांच और न्यायिक प्रक्रिया में सुधार करके तेज व निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करे।

जम्मू-कश्मीर में राहुल का बड़ा वादा

एजेंसी

90 सीटों वाली विधानसभा में कांग्रेस 32 सीटों पर और नेशनल काफ्रेंस 51 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पांच सीटों पर फ्रेंडली फाइट होने जा रही है।18 व 25 सितम्बर तथा 1 अक्टूबर को यहां (तीन चरण) चुनाव होने जा रहे हैं।

जम्मू–कश्मीर के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और नेशनल काफ्रेंस गठबन्धन ने प्रचार अभियान की शुरुआत बड़े वादे को दोहराते हुए कर दी है। राहुल गांधी ने बुधवार को कश्मीर के रामबन में एक विशाल रैली को सम्बोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी की सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि 1947 में कांग्रेस की सरकार ने जम्मू–कश्मीर के राजा को हटाकर उसे राज्य का दर्जा दिया था लेकिन भाजपा सरकार ने पांच वर्ष पहले राज्य के दर्जे को समाप्त कर यहां एक राजा (लेफ्टीनेंट गवर्नर) को बैठा दिया है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि आजाद भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि राज्य को केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया जा रहा है, जबकि अब तक केन्द्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिया जाता रहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी को अवसर मिला तो जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटायेगी। 90 सीटों वाली विधानसभा में कांग्रेस 32 सीटों पर और नेशनल काफ्रेंस 51 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पांच सीटों पर फ्रेंडली फाइट होने जा रही है।18 व 25 सितम्बर तथा 1 अक्टूबर को यहां (तीन चरण) चुनाव होने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस संवेदनशील राज्य में दस वर्षों के बाद चुनाव होने जा रहे हैं। 5 अगस्त, 2019 को भाजपा सरकार ने जम्मू–कश्मीर के लिये लागू अनुच्छेद– 370 को हटा कर इसे और लद्दाख को केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया था। उसी साल विधानसभा का चुनाव होना था लेकिन वह इसी आधार पर टाल दिये गये थे। यहां चुनाव कराने की अनिच्छुक भाजपा की केन्द्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के अंतर्गत चुनाव कराना लाजिमी हो गया है। महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) गठबन्धन का हिस्सा तो नहीं है लेकिन समझा जाता है कि जरूरी हुआ तो उसका समर्थन कांग्रेस–एनसी को मिल सकता है। अनुमान लगाये जा रहे हैं कि भाजपा से लोगों की इस कदर नाराजगी है कि उसे कश्मीर में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सका है। कांग्रेस से अलग होकर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बनाने वाले गुलाम नबी आजाद की भी राह कोई आसान नहीं मानी जा रही है। उसके अब तक 10 ही सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान हुआ है। माना जा रहा था कि उसका भाजपा से गठबन्धन हो सकता है लेकिन अब लगता है कि वह भाजपा की बी टीम के रूप में लड़ेगी। वैसे पहले ही उसके चार प्रत्याशियों ने मैदान छोड़ दिया है। उधर दूसरी तरफ भाजपा अपनी रणनीति बनाने में मशगूल है लेकिन ऐसे अनेक मुद्दे हैं जिन्हें लेकर उसे जनता के बीच जाना मुश्किल हो जायेगा। पहली बात तो यही है कि अनुच्छेद– 370 हटाये जाने को लेकर वहां की जनता काफी नाराज है। उस प्रक्रिया के दौरान न तो वहां की जनता की राय ली गयी थी, न ही उसके बाद वे वादे पूरे हुए जिनका उल्लेख कर कहा जाता रहा कि जम्मू–कश्मीर के लोगों में खुशहाली आयेगी। जहां तक आतंकवादी घटनाओं से मुक्ति दिलाने की बात कही गयी थी, तो वैसा कुछ भी हासिल नहीं हो सका। घाटी में अब भी पाक समर्थित आतंकी गुटों के हमले गाहे–बगाहे होते रहते हैं। इनमें मरने वालों की संख्या भी अच्छी–खासी है। कश्मीरी पंडितों की वापसी भी एक प्रमुख मुद्दा था जिसके बारे में भाजपा काफी दावे करती रही है। उस मोर्चे पर भी सरकार के हाथ खाली हैं। बहुत कम संख्या में कश्मीरी पंडितों की वापसी हुई भी तो वे वहां स्थायी नहीं बसाये जा सके हैं। बाहरी मजदूरों की हत्याएं भी हुई हैं, कश्मीरी पंडित अब भी वहां कोई महफूज महसूस नहीं करते। जिस प्रकार से कश्मीरियों के बारे में भाजपा समर्थित लोगों ने अपमानजनक टिप्पणियां की हैं और जैसे लम्बे समय तक घाटी के लोगों की इंटरनेट सुविधा छीनी गयी थी, उन सारी मुश्किलात का जवाब लेने का अवसर जम्मू–कश्मीर के लोगों को अब मिल गया है। राहुल गांधी जम्मू–कश्मीर में बेहद लोकप्रिय हुए हैं। याद हो कि 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से निकली राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का समापन 30 जनवरी, 2023 को श्रीनगर में ही हुआ था जिसे पूरे देश की तरह ही जबर्दस्त प्रतिसाद मिला था। फारुख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती आदि न केवल समापन रैली में शामिल हुए थे, बल्कि वे इंडिया गठबन्धन के भी हिस्सेदार हैं जो कई अवसरों पर हुई बैठकों एवं रैलियों में बराबर शिरकत करते रहे हैं। स्थानीय राजनीतिक जरूरतों के कारण एनसी एवं पीडीपी इस चुनाव में आमने–सामने बेशक हों, लेकिन उसका फायदा भाजपा को मिलता हुआ नजर नहीं आ रहा है। वैसे उसने 'मिशन 66' के नाम से बनाये चुनावी अभियान पर काम शुरू कर दिया है। गठबन्धन की एकमात्र आशा छिपे समर्थक गुलाम नबी आजाद से हो सकती है लेकिन उनका कितना लाभ उसे मिलेगा, यह तो परिणाम ही बतलाएंगे। हाल ही में पीडीपी के चौधरी जुल्फीकार अली और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी अब्दुल गनी ने भाजपा का दामन थाम लिया है। कांग्रेस–एनसी का पलड़ा इसलिये भारी माना जा रहा है क्योंकि राहुल और उनकी पार्टी जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा छीनने का शुरू से ही विरोध करती आ रही है। रैली में राहुल ने यह भी कहा कि चुनाव परिणाम जो भी हों, उनकी पार्टी राज्य का दर्जा वापस दिलाने का संघर्ष करती रहेगी और केन्द्र सरकार को इसके लिये मजबूर करेगी। उन्होंने प्रदेश में बेरोजगारी दूर करने के लिये लम्बित भर्तियां पूरा करने का भी आश्वासन दिया जो निश्चित ही मतदाताओं को आकर्षित करेगा।

आईसी 814: सवालों को दबाने की कोशिश

सर्वमित्रा सुरजन

आईसी 814 उस विमान का नाम है, जिसे 24 दिसंबर 1999 को काठमांडू से दिल्ली आते वक्त अगवा कर लिया गया था। पत्रकार श्रींजॉय चौधरी और आईसी–814 के कैप्टन देवी शरण की लिखी किताब श्फ्लाइट इन टू फियररू द कैप्टन स्टोरीश पर अनुभव सिन्हा ने आईसी 814 नाम से ही सीरीज बनाई है। इस सीरीज में वास्तविक घटनाओं को ही दिखाया गया है। काठमांडू से भारतीय एजेंट द्वारा दी गई चेतावनी की अनदेखी से लेकर विमान के हाईजैक होने और सात दिन बाद अफगानिस्तान के कंधार में तीन दुर्दांत आतंकवादियों मौलाना मसूद अजहर, अहमद उमर सईद शेख, और मुश्ताक अहमद जरगर की रिहाई तक की सारी घटनाओं को इस सीरीज में पेश किया गया है। काठमांडू से निकला जहाज ईंधन न होने के कारण अमृतसर में उतारा गया, फिर लाहौर और दुबई होते हुए आखिर में कंधार पहुंचा और इन सात दिनों तक जहाज में सवार आम यात्रियों की जिंदगी पूरी तरह से अपहरणकर्ताओं की दया पर ही रही। एक यात्री की मौत के अलावा बाकी सारे यात्रियों को विमान के चालकदल समेत आखिर में छुड़ा लिया गया, लेकिन इसकी भारी कीमत देश ने चुकाई है। क्योंकि जिन तीन आतंकवादियों को कांग्रेस के शासनकाल में पकड़ा गया था, उन्हें भाजपा की अटलबिहारी वाजपेयी सरकार ने छोड़ा और उसके बाद देश की संसद पर हमले समेत कई और आतंकी घटनाएं हुईं। यह सब किसी उपन्यास का प्लॉट या फिल्म की कहानी होती, तो पहले ही दिन आठ–दस कमांडो जांबाजी दिखाते और सब चंगा सी हो जाता। जितने देर विमान बंधक रहता, उतनी देर प्रधानमंत्री अपने दफ्तर में सारे दल–बल के साथ गहन चिंतन में डूबे नजर आते, उनके सलाहकार और अधिकारी देशप्रेम को ऊपर रखते हुए किसी प्रोटोकॉल की परवाह नहीं करते और सैन्य जवानों की काबिलियत पर भरोसा करते हुए उन्हें खुली छूट दे दी जाती कि जैसे भी हो, चाहे भारत की जमीन पर या विदेशी जमीन पर अपहर्ताओं को मार गिराओ और बंधकों को छुड़ा दो। लेकिन अफसोस कि हकीकत इससे काफी अलग रही। हकीकत यह थी कि विमान अमृतसर में जब थोड़ी देर रुका, तब भी भारतीय कमांडो कुछ नहीं कर पाए। क्यों नहीं कर पाए, यही सबसे बड़ा सवाल है। इस सीरीज में इसी सवाल से एक बेचौनी उपजती है, जो सीधे दर्शकों तक पहुंचती है। देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, लौहपुरुष कहे जाने वाले गृहमंत्री लालकृष्ण आडवानी, पंजाब के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल इन सब की भूमिकाओं और प्राथमिकताओं पर सवाल उठते हैं। सीरीज में जिस तरह नौकरशाही को जनता के सरोकारों से बिल्कुल कटा हुआ दिखाया गया है, वह रवैया भी कहीं न कहीं बेचौन करता है। यह रवैया सही नहीं है, लेकिन सच के काफी करीब है। अनुभव सिन्हा ने एक वरिष्ठ अधिकारी के किरदार से टू मच डेमोक्रेसी का संवाद भी कहलवाया है, जो आज के दौर की भाजपा का है, लेकिन भाजपा के पहले शासनकाल में भी शायद यही देश की हकीकत थी। आईसी 814 सीरीज ने वाजपेयी शासनकाल की एक बड़ी नाकामी को जनता को याद दिला दिया है। शाइनिंग इंडिया जैसे नारों के जरिए तो भाजपा की कोशिश यही रही कि कारगिल से लेकर कंधार हाईजैक और संसद पर हमले जैसी तमाम घटनाओं को जनता बुरे ख्वाब की तरह भूल जाए, लेकिन 2004 के चुनाव परिणामों ने बता दिया कि जनता ने इन घटनाओं को याद रखा। हालांकि 2014 में फिर से भाजपा आई और तब से अब तक फिर वही कोशिश शुरु हो गई है। पुलवामा की घटना को 2019 के चुनाव में नरेन्द्र मोदी ने बखूबी इस्तेमाल कर लिया। लेकिन अभी आईसी 814 सीरीज को देखकर लगा कि इतने बरसों में कुछ भी नहीं बदला है। तब भी घटना के फौरन बाद प्रधानमंत्री से बात करने की कोशिश होती रही। इतना बड़ा संकट आने के बाद भी देश के मुखिया से संपर्क न हो पाना, विडंबना है या कुछ और, ये सोचना होगा। लेकिन 14 फरवरी 2019 को भी तो ऐसा ही हुआ था। पुलवामा में दोपहर 3 बजकर 10 मिनट पर सैनिकों को ले जा रही बस से विस्फोटक भरी गाड़ी टकराती है औरउस वक्त प्रधानमंत्री जिम कार्बेट के जंगलों में मैन वर्सेस वाइल्ड की शूटिंग में व्यस्त थे। शाम सात बजे वे वहां से बाहर निकले। इस बीच 5 बजकर 10 मिनट पर रुद्रपुर में भाजपा के कार्यक्रम को उन्होंने फोन से संबोधित किया। उस भाषण में उन्होंने पुलवामा हमले का कोई उल्लेख नहीं किया। तो क्या श्री मोदी को पुलवामा हमले की जानकारी नहीं थी, या उन्होंने इस बारे में इसलिए नहीं बोला क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं विपक्ष इसे मुद्दा न बना ले कि इतना बड़ा हमला होने के बावजूद प्रधानमंत्री डिस्कवरी क्रू के साथ समय बिता रहे थे? पुलवामा की घटना को पांच साल से ऊपर हो गए हैं, इस बीच कई और गंभीर सवाल इस हमले को लेकर उठे, लेकिन राष्ट्रवाद के नाम पर सब दबा दिए गए। भाजपा तो अब तीसरी बार सत्ता में आ गई है, लेकिन अतीत के कुछ सवाल अब भी उसका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं और इसलिए उन सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है। जैसे आईसी 814 में अपहृताओं के नामों में भोला और शंकर जैसे नाम क्यों शामिल किए गए, इसे लेकर नेटफ्लिक्स को ही घेर लिया गया। अब नेटफ्लिक्स ने स्पष्ट कर दिया है कि अपहृताओं के असली नाम भी दिखाए जाएंगे। लेकिन इस हाईजैक की एक भुक्तभोगी ने भी बताया है कि दो अपहृताओं को भोला और शंकर के नाम से बुलाया जा रहा था। उन्होंने ये भी कहा है कि सीरीज में विमान के भीतर का जो कुछ दिखाया गया है, उस वक्त सब वैसा ही घटा था, इसमें कोई अतिरेक नहीं बरता गया है। लेकिन फिर भी भाजपा समर्थकों और भक्त पत्रकारों द्वारा अनुभव सिन्हा को निशाने पर लेने का सिलसिला शुरु हो गया है। एक भयावह घटना को हिंदू–मुसलमान बनाकर पेश करने की कोशिश शुरु हो गई है। अनुभव सिन्हा में स्वघोषित राष्ट्रवादियों, राष्ट्रप्रेमियों, भारत मां के सपूतों, हिंदुत्व के रक्षकों को देश का दुश्मन, हिंदुत्व का शत्रु, वामपंथी नजर आ रहा है। और ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पहले भी अनुभव सिन्हा की फिल्में विवादों में आ चुकी हैं। अनुभव सिन्हा की आर्टिकल 15, भीड़, मुल्क और थप्पड़ जैसी फिल्में तो ऐसी हैं, जिनसे कई लोगों की दुखती रग पर हाथ पड़ जाता है। सोशल मीडिया के प्रचार तंत्र के जरिए भाजपा को देश की सबसे महान पार्टी, नरेन्द्र मोदी को अवतारित नायक और भाजपा के शासन को असली आजादी का जो मिथ गढ़ा गया है, वो सब ऐसी फिल्मों से भरभराकर गिरने लगता है। अनुभव सिन्हा की तमाम फिल्मों की खासियत यही है कि वे दर्शकों पर कोई विचार थोपते नहीं हैं, बल्कि उसे मंथन करने पर मजबूर कर देते हैं। जबकि मौजूदा शासक यही चाहते हैं कि हिंदुस्तान की जनता विचार–विमर्श से दूर रहे, किसी भी मुद्दे पर अपनी सहज बुद्धि का इस्तेमाल न करे, केवल वही देखे और समझे, जो समाचार चौनलों के जरिए उसे समझाया जा रहा है। चौनल भी दर्शकों के दिमाग पर कब्जा करने में पूरी मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में उप्र में आदमखोर भेड़िये को पकड़ने की खबर एक रिपोर्टर ने खुद को जाल में फंसा कर की, इससे पहले युद्ध या बाढ़ जैसी आपात खबरों को स्टूडियो में इसी तरह माहौल बनाकर परोसा जा चुका है। दरअसल इस वक्त मीडिया घराने जिन पूंजीपतियों की पूंजी से संचालित हो रहे हैं, उनके हित साधना सरकार की जिम्मेदारी है। इसलिए पूंजीपति, सरकार, मीडिया इन सबके गठजोड़ से देश चल रहा है। इस व्यवस्था में कोई रचना अगर खलल पैदा करती है, दर्शकों को सवाल करने पर मजबूर करती है, भाजपा के शासन की नाकामी को सामने लाती है, तो जाहिर है उस रचना को देशविरोधी साबित करने की कोशिश की जाएगी। आईसी 814 के साथ इस समय यही कोशिश चल रही है। देखना होगा कि जनता इसमें किस तरह अपने विवेक का इस्तेमाल करती है।

राजनीति में झूठ बन रहा लोकतंत्र के अस्तित्व का खतरा

नन्तू बनर्जी

लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारें अक्सर सोचती हैं कि उनके मतदाता मूर्ख हैं। उनके पास ऐसी धारणा बनाने के अच्छे कारण हो सकते हैं क्योंकि उनमें से बहुत से लोग अपनी व्यक्तिगत पृष्ठभूमि और चारित्रिक विशेषताओं के मामले में वहां रहने के लायक नहीं हैं। उनमें से कई पर तो जघन्य आपराधिक मामले भी दर्ज हैं। मतदाताओं के पास उम्मीदवारों के चयन में बहुत कम विकल्प होते हैं। वे मतदान केंद्रों पर ऐसे उम्मीदवारों को वोट देने जाते हैं, जो राजनीतिक रूप से झूठे या जोड़–तोड़ करने वाले हो सकते हैं। उम्मीदवारों को अक्सर उनके मतदाता झूठे वायदों पर मोहित होकर या बिक कर चुनते हैं। कल्पना करें कि अगर राजनीति में झूठ बोलना प्रतिबंधित कर दिया जाये तो सरकार में बैठे उन आदतन झूठ बोलने वालों का क्या होगा जो अर्थव्यवस्था और प्रशासन की झूठी छवि बनाने के लिए आंकड़ों में हेराफेरी करते हैं। लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार, ग्रेट ब्रिटेन के हिस्से वेल्श की नवनिर्वाचित लेबर सरकार ने राजनीति में झूठ बोलने को अवैध बनाने का संकल्प लिया है। वेल्श सरकार ने कहा कि 2026 में अगले सेनेड (वेल्श संसद) चुनावों से पहले श्विश्व स्तर पर अग्रणीश कानून बनाया जायेगा। सेनेड के सदस्यों ने इसे लोकतंत्र में. राजनीति में झूठ बोलने से उत्पन्न श्अस्तित्वगत खतरेश से निपटने के अपने प्रयास में एक ऐतिहासिक क्षण बताया। वेल्श सरकार द्वारा प्रस्तावित कानून एक स्वतंत्र न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से जानबूझ कर धोखा देने के दोषी पाये गये सदस्यों और उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित करेगा। राजनेताओं द्वारा झूठ बोलने को गैरकानूनी घोषित करने के आह्वान का नेतृत्व कर रहे एक प्रमुख वेल्श राजनेता एडम रॉबर्ट प्राइस ने कहा था, जो घोषणा की गई है वह वास्तव में ऐतिहासिक है, विश्व स्तर पर अग्रणी है। हमारी सरकार की ओर से हमारी प्रतिबद्धता है कि हमारा लोकतंत्र राजनेताओं द्वारा धोखे पर सामान्य प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का पहला लोकतंत्र होगा। हम एक वैश्विक आंदोलन की शुरुआत में हैं। हम राजनीतिक झूठ को गैरकानूनी घोषित करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्सत्य लोकतंत्र के दिल में है, लेकिन राजनेताओं में विश्वास खत्म हो गया है। यह एक अस्तित्वगत खतरा है। उन्होंने कहा, अगर मतदाता निर्वाचित लोगों की बातों पर भरोसा नहीं कर पाते हैं, तो लोकतंत्र टूटने लगता है।श हालांकि, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड सहित दुनिया भर में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रस्तावित वेल्श कानून के प्रभाव की भविष्यवाणी करना अभी जल्दबाजी होगी, जो ग्रेट ब्रिटेन के दो अन्य घटक हैं, लेकिन यह कुछ लोकतांत्रिक देशों में आंदोलन को जन्म दे सकता है। वेल्श एक बहुत छोटा देश है, जो ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड के यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा है। 2021 तक, वेल्श की आबादी 3,107,494 थी और इसका कुल क्षेत्रफल 21,218 वर्ग किलोमीटर था। इसलिए, वेल्श में जो कानूनी रूप से संभव हो सकता है, वह संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत जैसे बड़े लोकतंत्रों में उम्मीद करना असंभव हो सकता है, जहां झूठ बोलना पार्टी की राजनीति का एक अभिन्न अंग है, जो राजनेताओं की आपराधिक प्रवृत्ति को उजागर करता है और बेहद कम अभियोजन और सजा दर दर्ज करता है। झूठ बोलने वाले राजनेता की पहचान की जा सकती है और उसे पकड़ा जा सकता है, लेकिन ऐसे राजनेताओं द्वारा चलाई जाने वाली झूठ बोलने वाली सरकार के बारे में क्या, जो अक्सर झूठ बोलते हैं और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं? भारत में स्थिति की कल्पना करें, जहां राजनीतिक शासक अपने राजनीतिक और आर्थिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जनता या मतदाताओं को गुमराह करने के लिए सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों से अक्सर महत्वपूर्ण संख्याओं में हेराफेरी करवाते हैं। यह बढ़ती महंगाई या घटते रोजगार या संदिग्ध वित्तीय लेन–देन के समय में झूठी खुशी को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। ऐसे सरकारी कार्यों के बारे में क्या जो राष्ट्र की कीमत पर केवल कुछ चुने हुए व्यक्तियों या समूहों को लाभ पहुंचाते हैं? ऐसे कार्यों के पीछे व्यक्तियों की पहचान कैसे की जाये? सरकार अपने सार्वजनिक संचार इरादे के अनुरूप संबंधित टोकरियों को बड़ा या छोटा करके आधिकारिक सूचकांकों में हेराफेरी कर सकती है। उदाहरण के लिए, ऐसे समय में जब खाद्य पदार्थों, सब्जियों, दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स, संचार और यात्रा लागत, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यय और उसकी कीमतें आसमान छू रही हैं, भारत में थोक और खुदरा मूल्य सूचकांक दोनों में बड़ी गिरावट बताई जा रही है। कोई उन्हें उन टोकरियों के आकार पर दोष दे सकता है जिनमें उन दैनिक आवश्यकताओं को शामिल किया गया है। इस तरह के सरकारी धोखे से कैसे निपटें? लोकतांत्रिक समाज में सरकारी धोखे पर कई बार बहस हुई है, जिससे लोकतांत्रिक दुनिया भर में सार्वजनिक क्षेत्र में झूठ का प्रसार हुआ है। लोग एक चुनी हुई सरकार पर भरोसा करते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि लोग अपनी चुनी हुई सरकार के भ्रामक कार्यों और बयानों पर भी भरोसा कर लेते हैं। वास्तव में, सरकार के झूठ लोकतांत्रिक व्यवस्था के कामकाज के लिए किसी एक राजनेता के सार्वजनिक झूठ से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं। सरकार के झूठ का असर विधायिका और न्यायपालिका पर भी पड़ता है। धोखा एक संक्रामक बीमारी की तरह फैलता है और विधायिका और न्यायपालिका सहित लोकतंत्र के अन्य स्तंभों को भी अपनी चपेट में ले लेता है। सरकारी झूठ को नियंत्रित करना सबसे मुश्किल होता है। जब कोई सरकार झूठ बोलती है, तो वह सत्ता में बैठे राजनेताओं से लेकर भरोसेमंद नौकरशाहों और कर्मचारियों तक पूरी शासन प्रणाली में फैल जाती है। लगभग पूरी लोकतांत्रिक दुनिया में न्यायपालिका स्पष्ट रूप से इस अवधारणा को खारिज करती है कि संवैधानिक कानून को सरकार की झूठ बोलने की क्षमता को सीमित करने के लिए कुछ करना चाहिए। मुखबिर संरक्षण कानून, सूचना का अधिकार कानून और नौकरशाही व्यवहार में राजनीतिक हस्तक्षेप को प्रतिबंधित करने वाले मानदंड जैसे तंत्र भले ही अच्छे इरादे वाले हों, लेकिन वे शायद ही ऐसी व्यवस्था में काम करें जो सरकार और उसके चुने हुए राजनीतिक आकाओं को लाभ पहुंचाने के लिए झूठ को बढ़ावा देने पर आमादा हो। 2022 में, इस विषय पर अमेरिका स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय के नाइट फर्स्ट अमेंडमेंट इंस्टीट्यूट द्वारा किये गये विचार–विमर्श ने कुछ प्रासंगिक प्रश्न उठाये थे।

सपना चौधरी

की बायोपिक 'मैडम सपना' की टीजर रिलीज, पर्दे पर दिखेगा डांसर का संघर्ष

> सपना ने फैंस से कहा है कि जैसे ही उनकी कहानी स्क्रीन पर आएगी, उन्हें और ज्यादा प्यार और प्रोत्साहन की जरूरत होगी।'मैडम सपना' को शाइनिंग सन स्टूडियो के तहत बनाया जा रहा है, जिसमें महेश भट्ट का निर्देशन और विनय भारद्वाज और रवीना ठाकुर का प्रोडक्शन है।

हरियाणा की मशहूर डांसर सपना चौधरी की बायोग्राफी अब फिल्मी पर्दे पर दर्शकों के लिए बन रही है। बुधवार को इस मूवी का लेटेस्ट टीजर रिलीज कर दिया गया है। जिसमें सपना के स्टेज डांसर से सुपरस्टार बनने तक के संघर्ष से भरपूर सफर को दिखाया गया है। चलिए आपको बताते हैं इससे जुड़ी कुछ बातें।सेलेब्स की बायोपिक की लिस्ट में अब हरियाणा की मशहूर डांसर सपना चौधरी का नाम शामिल हो गया है। 4 सितंबर को सपना के जीवन पर बनने वाली फिल्म 'मैडम सपना' का एलान मेकर्स की तरफ से कर दिया गया है। इस मूवी का डायरेक्शन महेश भट्ट कर रहे हैं। वहीं, मूवी की अनाउंसमेंट के साथ ही इसका लेटेस्ट टीजर वीडियो भी सामने आया है। जिसमें सपना के एक स्टेज डांसर से सफलता के मुकाम तक पहुंचने का संघर्ष दिखाया गया है। हरियाणा की मशहूर डांसर सपना चौधरी पर जल्द ही फिल्म बनने वाली है। हाल ही में बुधवार को इस मूवी का लेटेस्ट टीजर रिलीज कर दिया गया है। जिसमें सपना चौधरी के अलग–अलग वीडियो क्लिप्स शामिल किए गए हैं। ये टीजर एक डॉक्यूमेंट्री की तरह लग रहा है, जो उनके जीवन के अलग–अलग पहलुओं को दर्शाता है। सपना ने इस टीजर को शेयर करते हुए लिखा कि ये बायोपिक सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि उनके संघर्ष, सपनों और उन कठिन रास्तों की कहानी है जिन्हें उन्होंने पार किया है। उन्होंने अपने फैंस से समर्थन की अपील की है। सपना ने फैंस से कहा है कि जैसे ही उनकी कहानी स्क्रीन पर आएगी, उन्हें और ज्यादा प्यार और प्रोत्साहन की जरूरत होगी।'मैडम सपना' को शाइनिंग सन स्टूडियो के तहत बनाया जा रहा है, जिसमें महेश भट्ट का निर्देशन और विनय भारद्वाज और रवीना ठाकुर का प्रोडक्शन है। फिलहाल फिल्म की स्टार कास्ट और रिलीज डेट के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, सपना चौधरी ने अपने एक पोस्ट में फिल्म की संभावित रिलीज का साल 2025 बताया है। मैडम सपना के टीजर में सपना चौधरी नैरेशन में ये बताती हुईं नजर आ रही हैं कि अपने घर की आर्थिक तंगी के कारण वह स्टेज डांसर बनने पर मजबूर हुई थीं। उनके पिता बीमार रहते थे और मां घर में काम किया करती थी। कर्ज का बोझ दिन पर दिन बढ़ रहा था। इसी वजह से सपना ने डांसर बनने का फैसला लिया था।

परिणीति चोपड़ा जल्द भारत लौटेंगी, एक्ट्रेस ने बताया– लंदन को अपना 'दूसरा घर' और दिल्ली को अपना 'ससुराल' बताया

परिणीति चोपड़ा अपने प्रशंसकों को लंदन में बिताए अपने समय की एक सुखद झलक दिखा रही हैं। अभिनेत्री, जो सोशल मीडिया पर अपने अनुभवों को सक्रिय रूप से साझा करती रही हैं, ब्रिटेन की राजधानी में अपने समय के हर पल का आनंद ले रही हैं। इंस्टाग्राम पर अपने हालिया आस्क मी एनीथिंग सेशन के सवालों का जवाब देते हुए, परिणीति ने फिल्म चमकीला में अपनी भूमिका के लिए मिले अपार प्यार के लिए आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा, ष्एक बात जो मैं निश्चित रूप से कहना चाहती हूं, वह है चमकीला में आप लोगों ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए बहुत–बहुत–बहुत धन्यवाद। मैंने कभी नहीं सोचा था कि फिल्म के बाद हमें इस तरह की प्रतिक्रिया मिलेगी। परिणीति ने यह भी साझा किया कि प्रशंसकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उन्हें कैसे गहराई से प्रभावित किया है, आप लोगों ने जो कुछ कहा है और कुछ चीजें जो मैंने पढ़ी हैं, गंभीरता से, वे हर दिन मेरे सपनों में आती हैं। अपनी यात्रा पर विचार करते हुए, उन्होंने चमकीला में अमरजोत कौर के रूप में अपनी भूमिका की तैयारी के दौरान आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया और कहा, मुझे इस भूमिका को करने के लिए बहुत कुछ करना पड़ा। और मैं अभी भी इसके प्रभावों को महसूस कर रही हूं। लेकिन आप लोगों ने जो प्यार दिया है, उसके कारण यह सब इसके लायक था। इसलिए धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद।

एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मों की पसंदीदा भूमिका को याद किया

अभिनेत्री ने फिल्म हंसी तो फंसी में अपनी पसंदीदा भूमिकाओं में से एक को भी याद किया , उन्होंने साझा किया कि स्क्रिप्ट में एक अनूठा आकर्षण था जो उन्होंने उसके बाद से नहीं देखा। ष्मुझे लगता है कि मेरी पसंदीदा भूमिकाओं में से एक और मुझे लगता है कि आपकी भी हंसी तो फंसी रही है। मुझे नहीं पता, वे अब ऐसी भूमिकाएं नहीं लिखते हैं,ष उन्होंने टिप्पणी की। यह प्रतिबिंब रचनात्मक कहानी कहने के लिए उनकी प्रशंसा को उजागर करता है जो उनके और उनके दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होता है।

परिणीति ने कहा– अब दिल्ली मेरी ससुराल है

परिणीति अपना समय लंदन, बॉम्बे और दिल्ली के बीच बांटती रही हैं। अपने यात्रा कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया, ष्लंदन मेरा दूसरा घर है। बॉम्बे मेरा कार्य शहर है और अब दिल्ली मेरा ससुराल है।ष उनके जीवन का यह विभाजन उनके निजी और पेशेवर जीवन दोनों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लंदन में परिणीति चोपड़ा का समय काम, अवकाश और आध्यात्मिक कायाकल्प का मिश्रण रहा है। 'इश्कजादे' अभिनेत्री ने साझा किया कि वह इंग्लैंड की राजधानी छोड़ रही हैं और जल्द ही घर वापस आ जाएंगी। एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर मिरर सेल्फी की एक सीरीज भी शेयर की , जिसमें उन्होंने स्टाइलिश ब्लैक शर्ट पहनी हुई थी और जैकेट के साथ बाइकर शॉर्ट्स पहने हुए थे, जो कैजुअल लेकिन ठाठदार लुक दे रहे थे। यह एक वॉकिंग आउटफिट है, दोस्तों। और मैं चलते–फिरते आप लोगों से बात कर रही हूं, एक्ट्रेस ने अपनी जीवंत शख्सियत को दिखाते हुए कहा।

कश्मीर में अल्फा के शेड्यूल के बाद घर वापस आई बॉलीवुड दिवा शर्वरी

कश्मीर में अपनी आगामी फिल्म अल्फा की शूटिंग कर रही बॉलीवुड दिवा शर्वरी अब अपने घर वापस लौट आई हैं। बुधवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 2.2 मिलियन फॉलोअर्स वाली शर्वरी ने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने घर की झलक दिखाई। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, घर आकर अच्छा लगा जासूसी जगत की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा में आलिया भट्ट हैं। फिल्म में आलिया और शर्वरी दोनों ही सुपर–एजेंट की भूमिका में हैं और ऐसा लग रहा है कि आदित्य चोपड़ा उन्हें जासूसी जगत की पैक की अल्फा गर्ल्स के रूप में पेश कर रहे हैं। शिव रवैल के निर्देशन में बनी अल्फा का निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं। शर्वरी प्यार का पंचनामा 2, बाजीराव मस्तानी और श्सोनू के टीटू की स्वीटी फिल्मों में सहायक निर्देशक के रूप में काम कर चुकीं हैं। उन्होंने यशराज फिल्म्स के बैनर तले निर्माता आदित्य चोपड़ा की कहानी पर आधारित वरुण वी शर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित क्राइम कॉमेडी श्बंटी और बबली 2 से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। यह फिल्म 2005 की फिल्म बंटी और बबली का सीक्वल है। इस फिल्म में सैफ अली खान, रानी मुखर्जी और सिद्धांत चतुर्वेदी ने अभिनय किया था। इसके बाद उन्होंने आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी मुंज्या में बेला की भूमिका निभाई। इसमें अभय वर्मा, सत्यराज और मोना सिंह थे। मैडॉक फिल्म्स के तहत अमर कौशिक और दिनेश विजन द्वारा निर्मित, यह मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की चौथी किस्त है और यह भारतीय लोककथाओं और पौराणिक कथाओं से प्रेरित है। इसके बाद 27 वर्षीय अभिनेत्री सिद्धार्थ पी मल्होत्रा द्वारा निर्देशित और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित ऐतिहासिक ड्रामा महाराज में दिखाई दीं। हाल ही में उन्होंने निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियो, एम्मे एंटरटेनमेंट और जेए एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित एक्शन ड्रामा वेदा में मुख्य किरदार निभाया। फिल्म में जॉन अब्राहम, अभिषेक बनर्जी और आशीष विद्यार्थी मुख्य भूमिका में हैं।

विक्रांत मैसी की `सेक्टर 36` 36 का खतरनाक ट्रेलर रिलीज, सच्ची घटना पर है आधारित

विक्रांत मैसी की अपकमिंग धमाकेदार सीरीज 'सेक्टर 36' 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है। 'सेक्टर 36' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है, जिसे देख आपकी रूह कांप उठेगी। कई बच्चों के लापता होने की कहानी से लेकर पुलिस को चकमा देने वाले किडनैपर विक्रांत मैसी के साथ दीपक डोबरियाल भी नजर आएंगी। लापता हो रहे बच्चों की सच्चाई के बारे में पता लगने वाले एक पुलिस अधिकारी के सामने रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है, जिसके बाद उसके होश उड़ जाते हैं। विक्रांत मैसी की 'सेक्टर 36' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शेयर किया है। ट्रेलर में विक्रांत और दीपक गैंगस्टर लुक में धमाका करते दिखाई दे रहे हैं। विक्रांत मैसी स्टारर 'सेक्टर 36' शुरुआत से ही चर्चा में रही है। मेलबर्न के मशहूर इंडियन फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म ने धूम मचा दी थी और अब ओटीटी पर धूम मचाने वाली है। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस क्राइम ड्रामा में विक्रांत और दीपक डोबरिया की टॉम एंड जेरी की दौड़ वाकई दिलचस्प लग रही है। 12वीं फेल' विक्रांत मैसी एक बार फिर से ओटीटी पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। 'सेक्टर 36' में एक पुलिस अधिकारी झुग्गी बस्तियों से बच्चों के गायब होने के मामले की जांच करता है। इस दौरान उसका सामना खतरनाक सीरियल किलर से होता है जो बच्चों को किडनैप करता है। पोस्टर के बाद इसका नया वीडियो भी अब चर्चा में बना हुआ है। विक्रांत मैसी की फिल्म 'सेक्टर 36' अपनी रिलीज से पहले ही सुर्खियां बटोर रही है।अभिनेता विक्रांत मैसी आज इंडस्ट्री के जाने–पहचाने नाम हैं जो '12वीं फेल' के बाद दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित, 'सेक्टर 36' में नजर आने वाले हैं। आदित्य निंबालकर की बतौर निर्देशक पहली सीरीज है और जिसमें अपराध और सामाजिक असमानता को बहुत अच्छे से पेश किया गया है। 'सेक्टर 36' 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

रातों रात नेशनल क्रश बनीं श्वेता तिवारी, बोल्डनेस में उर्फी जावेद को भी मात देती हैं

कौन यकीन करेगा कि श्वेता तिवारी 42 साल की हैं और तीन बच्चों की मां हैं? हिट शो कसौटी जिंदगी की में 'प्रेरणा' के किरदार से मशहूर अभिनेत्री अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं, जिन्हें देखकर हर कोई हैरान रह जाता है। गुरुवार को भी श्वेता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें शेयर कीं, जो अब इंटरनेट पर आग लगा रही हैं।

अंतिम समय में इंसान के मुंह में क्यों डाला जाते है तुलसी और गंगाजल? यहां जानिए कारण

जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद का सफर कैसा होगा इस बात को लेकर दुनिया भर में कई मान्यताएं हैं। अक्सर देखा जाता है कि हिंदू धर्म में मृत्यु के समय व्यक्ति के मुंह में गंगाजल और तुलसी के पत्ते डाले जाते हैं। इस परंपरा का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसका उद्देश्य व्यक्ति की आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति और पापों से मुक्ति दिलाना है। इसके पीछे कुछ मुख्य कारण इस प्रकार हैं।

पवित्रता और शुद्धिकरण

गंगा नदी को हिंदू धर्म में अत्यधिक पवित्र माना गया है। ऐसा माना जाता है कि गंगाजल व्यक्ति के पापों को धो देता है और उसे शुद्ध करता है। मृत्यु के समय गंगाजल के सेवन से व्यक्ति की आत्मा पवित्र होती है और उसे मोक्ष की प्राप्ति में सहायता मिलती है।वहीं तुलसी को भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। तुलसी के पत्तों को मृत व्यक्ति के मुंह में डालने का अर्थ है कि उसकी आत्मा को भगवान विष्णु के श्रीचरणों में स्थान प्राप्त हो और उसे मोक्ष मिल सके।

आध्यात्मिक शक्ति

गंगाजल और तुलसी दोनों में आध्यात्मिक शक्तियां मानी जाती हैं। तुलसी के पत्ते और गंगाजल का सेवन व्यक्ति को आत्मिक शांति और भगवान के साथ संपर्क में आने में मदद करता है। गंगाजल और तुलसी के सेवन से व्यक्ति के मन में शांति और भक्ति का भाव जागृत होता है। यह उसे मृत्यु के समय भी भगवान की याद दिलाता है, जिससे उसकी आत्मा को शांति मिलती है।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मृत्यु के समय गंगाजल और तुलसी का सेवन करने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है और उसकी आत्मा स्वर्ग की ओर प्रस्थान करती है। यह परंपरा व्यक्ति के जीवन के अंतिम क्षणों में उसकी आत्मा को पवित्र और भगवान के समीप पहुंचाने का प्रयास करती है। यह हिंदू धर्म की एक महत्वपूर्ण धार्मिक प्रथा है जो मृत्यु के समय भी व्यक्ति को धर्म और अध्यात्म से जुड़े रहने का संदेश देती है।

खाली पेट रोजाना अंजीर खाने सेहत को मिलते हैं जबरदस्त फायदे, आज से शुरु कर दें इसका सेवन

अंजीर को अंग्रेजी में फिग कहते हैं। यह एक स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर फल है। इसके सेवन से हमारे शरीर में कई फायदे होते हैं। अंजीर में कई मुख्य पोषक तत्व होते हैं। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा, अंजीर में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा, आयरन, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन एल जैसे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो शरीर को हेल्दी रखता है। भिगोकर अंजीर के सेवन करने से बॉडी को मिलते ये फायदे।

डायबिटीज नियंत्रित रखता

अंजीर का सेवन करने से डायबिटीज को कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है। रात के समय 3–4 अंजीर भिगोकर रख दें, इसके बाद रोजाना सुबह इसके सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है।

हीमोग्लोबिन बढ़ता है

अंजीर एक अमृत फल है इसमें कई सारे पोषक तत्व पाएं जाते है। अंजीर में आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व होते हैं। रोजाना खाली पेट भीगे हुए अंजीर खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अंजीर को आप दूध के साथ भी खा सकते हैं।

कैंसर से लड़ता

अंजीर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। प्रतिदिन सुबह भीगे हुए अंजीर के सेवन से खतरनाक बीमारियों से बचा जा सकता है।

हड्डियां मजबूत होती

अंजीर में कैल्शियम, पौटेशियम और मैग्नीशियम होता है जो हड्डियों को मजबूत करता है और सूजन को भी कम करता है। भीगे हुए अंजीर खाने से आपकी हड्डियां मजबूत बनेंगी।

पाचन तंत्र बेहतर होता है

अगर आप रोजाना भीगे हुए अंजीर का सेवन करते हैं तो पाचन संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है।

क्यों होती है विटामिन डी की कमी, जानिए इसे कैसे कर सकते हैं दूर

आज के मॉडर्न युग में, जहां लोग दिनभर अपने घरों और डिजिटल दुनिया में उलझे रहते हैं, वजह से वे घरों में ही रहते हैं। बाहर की ताजा हवा और सुबह की धुप की पहली किरण दोनों ही नहीं मिलती हैं। जिसकी कारण विटामिन डी की कमी एक आम स्वास्थ्य समस्या बन गई है। पहले लोग अपने दिन का बड़ा हिस्सा धूप में बिताते थे, लेकिन अब होम डिलीवरी और डिजिटल लाइफस्टाइल ने हमें बाहर जाने की आदत को कम कर दिया है। विटामिन डी, जो कि एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, विटामिन–डी हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरुरी होता हैं। यह शरीर के कई जरुरी तत्त्व को पूरा करता हैं।आपको बता दें कि विटामिन डी हमारे शरीर में पाया जाने वाला एक नेचुरल सब्सटेंस है। जो हमें धूप से मिलता है। लेकिन आखिर क्यों होती है विटामिन डी की कमी।

आज हम विटामिन डी की डेफिशियेंसी के बारे में बात करेंगे। जानने की कोशिश करेंगे कि आखिर विटामिन डी की कमी से लोगों को क्ध्या–क्ध्या स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आ सकती है। आज देश की लगभग 80 से 90 प्रतिशत आबादी विटामिन डी की डेफिशियेंसी से जूझ रही है। चलिए जानते हैं, विटामिन–डी की कमी से शरीर में क्या परेशानियां होती हैं और इसकी कमी को कैसे पूरा करना चाइए।

कैसे जानें कि आप विटामिन डी की कमी से जूझ रहे हैं

विटामिन डी की कमी की पहचान करना महत्वपूर्ण है, ताकि आप समय पर उपचार कर सकें। जब शरीर में विटामिन डी की कमी होती हैं शरीर कई तरह के संकेत देता हैं। जैसे थकान और कमजोरी यदि आप दिनभर थकान और ऊर्जा की कमी महसूस करते हैं, तो यह विटामिन डी की कमी का संकेत हो सकता है।

हड्डियों में दर्द और मांसपेशियों की कमजोरी भी विटामिन डी की कमी के लक्षण हो सकते हैं। यदि आप बार–बार बीमार पड़ते हैं या आपकी इम्यूनिटी कमजोर है, तो विटामिन डी की कमी इसके पीछे एक कारण हो सकता है। आपको बता दे की अगर व्यक्ति को घाव या किसी पररक की चोट हैं तो उस व्यक्ति का घाव जल्दी नहीं भरता। विटामिन डी की कमी से घाव और चोटें को ठीक होने में समय लग सकता हैं।

धूप में कम समय बिताना

शरीर में विटामिन डी की कमी होना सबसे बड़ा कारण हैं धुप में कम समय बिताना। खासकर सूर्य की अल्ट्रावायलेट बी (यूवीबी) किरणें। जब आप धूप में पर्याप्त समय नहीं बिताते हैं, तो आपका शरीर विटामिन डी का निर्माण नहीं कर पाता। आजकल की जीवनशैली में लोग ज्यादातर घर के अंदर रहते हैं या धूप से बचने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, जिससे विटामिन डी की कमी हो सकती है।

खानपान में कमी

विटामिन डी कुछ खाद्य पदार्थों में पाया जाता है, जैसे कि फैटेड फिश (साल्मन, मैकेरल), अंडे, और डेयरी उत्पाद (दूध, पनीर)। अगर आपकी डाइट में इन खाद्य पदार्थों की कमी है, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। शाकाहारी आहार लेने वाले लोगों के लिए यह और भी समस्या का कारण हो सकता है, क्योंकि वे अक्सर विटामिन डी के प्राकृतिक स्रोतों से दूर रहते हैं।

मोटापा

मोटे लोगों में विटामिन डी की कमी हो सकती है क्योंकि ज्यादा वसा विटामिन डी को शरीर में स्टोर कर लेती है, जिससे यह रक्त में कम मात्रा में उपलब्ध रहता है। मोटे लोगों को विटामिन डी की उच्च मात्रा की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि ज्यादा वसा के कारण शरीर की विटामिन डी की जरूरत बढ़ जाती है। ऐसे में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ाएं, जैसे कि फैटेड फिश (साल्मन, मैकेरल), अंडे, और डेयरी प्रोडक्ट्स। इसके अतिरिक्त, विटामिन डी से युक्त फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

सनस्क्रीन का ज्यादा उपयोग

जिन लोगों की त्वचा अत्यधिक संवेदनशील होती है या जो अक्सर सनस्क्रीन का उपयोग करते हैं, उनकी त्वचा पर सूर्य की किरणें ठीक से अवशोषित नहीं होतीं। सनस्क्रीन लगाने से विटामिन डी का उत्पादन कम हो सकता है। सनस्क्रीन का इस्तेमाल विटामिन डी के उत्पादन को प्रभावित कर सकता है। सनस्क्रीन की परत सूर्य की न्ट किरणों को रोकती है, जिससे त्वचा पर विटामिन डी का उत्पादन घट सकता है।

विटामिन डी की कमी को ठीक करना आवश्यक है, ताकि आप स्वस्थ रह सकें और अपनी जीवनशैली को सुधार सकें। आइए जानते हैं कि विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए कौन–कौन से प्रभावी उपाय किए जा सकते हैं, ताकि आप इस महत्वपूर्ण पोषक तत्व की कमी को प्रभावी ढंग से अपने डाइट में शामिल कर सकें।

विटामिन डी की कमी को दूर करने के उपाय

ऑफिस में काम करते हैं या घर के अंदर अधिक समय बिताते हैं, तो धूप का समय निकालना आवश्यक है। पोषणयुक्त आहार का सेवन करें, साथ ही अपनी डाइट में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें।

जैसे

1. फैटेड फिश साल्मन, मैकेरल, ट्यूना, और सर्दी की मछली।
2. अंडेः अंडे की जर्दी में विटामिन डी होता है।
3. डेयरी प्रोडक्ट्स दूध, दही, पनीर।
4. विटामिन डी से फोर्टिफाइड फूड प्रोडक्ट्स जैसे कि विटामिन डी से युक्त अनाज और आटा।
5. फोर्टिफाइड संतरे का रस कई ब्रांड विटामिन डी से फोर्टिफाइड जूस प्रोवाइड करते हैं।
6. विटामिन डी सप्लीमेंट्स ले सकते हैं। अगर आपकी विटामिन डी की कमी गंभीर है या आहार से पर्याप्त विटामिन डी प्राप्त नहीं हो रहा है, तो डॉक्टर की सलाह पर विटामिन डी सप्लीमेंट्स का सेवन करें। ये आमतौर पर टैबलेट या कैप्सूल के रूप में उपलब्ध होते हैं।
7. सही जीवनशैली अपनाएं
8. अच्छी नींद आपके स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और शरीर की समग्र कार्यक्षमता को बेहतर बनाती है।
9. अगर आप विटामिन डी की कमी के लक्षणों का सामना कर रहे हैं और घरेलू उपायों से राहत नहीं मिल रही है, तो एक चिकित्सक से सलाह लें। डॉक्टर आपके विटामिन डी के स्तर की जांच करेंगे और उचित

उपचार की सलाह देंगे।

इन उपायों को अपनाकर आप विटामिन डी की कमी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

छोटे किचन में इन तरीकों से बनाएं बर्तन रखने की जगह, आजमाएं ये हैक्स

किचन घर का दिल कहा जाता है और किचन में ही सबसे ज्यादा चीजें अव्यवस्थित रहती हैं। ऐसे में अगर किचन अव्यवस्थित होता है, तो किसी को भी देखकर अच्छा नहीं लगेगा। कई बार जल्दबाजी में हम बर्तनों को बेतरतीब ढंग से दराज में फेंक देते हैं। छोटे–छोटे टूल्स और अप्लायंसेस काउंटर स्पेस घेर लेते हैं और अलमारियां बर्तनों से भर जाती हैं। अव्यवस्थित किचन कम आकर्षक लगता है। जिसके कारण किचन में साफ–सफाई करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यदि आपका किचन छोटा है, तो आप किचन को इन ट्रिक्स की मदद से व्यवस्थित कर सकते हैं।

अंडर कैबिनेट हुक

खाना बनाने के लिए हमारे किचन में छोटे से लेकर बड़े सभी तरह के बर्तन होते हैं। ऐसे में सभी बर्तनों को एक साथ कैबिनेट में रखने से अच्छा है कि इनको व्यवस्थित तरीके से रखा जाए। आप किचन के बर्तनों को स्टोर करने के लिए अंडर कैबिनट हुक का इस्तेमाल कर सकते हैं। हर तरह के बर्तनों को टांगने के लिए आप अपने कैबिनेट के नीचे का उपयोग हुक या रेल लगाकर करें।

ड्रॉइर डिवाइडर्स

किचन में बर्तनों को एक साथ रखने से वह खराब हो सकते हैं। इसलिए अच्छा है कि आप बर्तनों को व्यवस्थित करने के लिए ड्रॉअर डिवाइडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप ड्रॉअर डिवाइडर में बर्तनों को व्यवस्थित तरीके से रख सकती हैं। इसमें आप छोटे–बड़े सभी बर्तनों को आसानी से रख सकते हैं। साथ ही बर्तन को ढूंढने के लिए हड़बड़ी भी नहीं होगी।

वर्टिकल ड्रॉअर इंसर्ट

ड्रॉअर स्पेस के अंदर सीधे खड़े होने वाले वर्टिकल ड्रॉअर इंसर्ट कर सकती हैं। इन जगहों को आप लैडल, स्पैटुला और चिमटे जैसे बर्तनों को टांग सकते हैं। यह आपके काउंटर स्पेस को बड़ा बनाता है और आपके पास ज्यादा स्पेस भी होगा। इससे खाना बनाना आसान होता है। बता दें कि इन इंसर्ट लगाने से ड्रॉअर स्पेस ज्यादा बढ़ता है। जिसमें आप अन्य बर्तन रख सकते हैं।

ढक्कन वाली कटलरी ट्रे

किचन में ऐसी एक ट्रे होनी चाहिए, जिसमें ढक्कन लग सके। बता दें कि ऐसी ट्रे कटलरी रखने के काम आती है और आप ढक्कन वाली कटलरी ट्रे अलग–अलग कटलरी जैसे– नाइफ, चम्मच और बर्तन आदि को व्यवस्थित कर सकती हैं। आप कॉम्पैक्ट जगह में बर्तनों को रख सकते हैं। वहीं कटलरी में धूल नहीं जमती और यह बर्तनों को भी व्यवस्थित रखता है।

हैंगिंग रैक या रेल

आप छोटी रसोई में चीजों को स्टोर करने के साथ डेकोर का भी ध्यान रख सकते हैं। आप बर्तन को स्टोर करने के लिए बास्केट या कंटेनर टांगने के लिए किचन की दीवारों पर हैंगिंग रैक या रेल लगवा सकती हैं। यह न सिर्फ दराज से बचाता है, बल्कि किचन को डेकोर भी करता है।

अलमारी में शेल्व

अक्सर कांच के बर्तनों को हम अलमारियों में रखते हैं। लेकिन अगर किचन में बर्तन रखने की अलमारी हो, तो आप उसमें 2–3 शेल्व और लगवा सकते हैं। इससे स्पेस भी ज्यादा हो जाएगा और अन्य बर्तन भी आ जाएंगे। ऐसे में अगर आप नई अलमारी बनवाने की सोच रहे हैं, तो पहले उसको पुरानी अलमारी से कंपेयर कर लें। नई अलमारी में 2–3 शेल्व एक्स्ट्रा लगवा लें। आप चाहें तो शेल्व में स्लाइडिंग इंसर्ट करवा सकते हैं, उसमें आप छोटे चम्मच रख सकते हैं। इससे किचन पहले से सुंदर लगेगा।

कॉर्नर का इस्तेमाल

बता दें कि रसोई छोटी हो या बड़ी, लेकिन रसोई का हर इंच मायने रखता है। वहीं कुछ जगहें ऐसी भी होती हैं, जिनको हम अनदेखा कर देते हैं। लेकिन इन जगहों को आप क्रिएटिव और स्टाइलिश स्टोरेज स्पेस में बदल सकते हैं। आप कॉर्नर का इस्तेमाल कर हैंगिंग स्टोरेज हैक बना सकते हैं। किचन की किसी भी दीवार के कॉर्नर में शेल्व लगवा सकती हैं। इन जगहों पर प्लेट्स, कप्स और मग्स आदि रख सकते हैं। इससे किचन का कॉर्नर खूबसूरत दिखेगा।

संक्षिप्त

गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के बाद स्टॉक में आई गिरावट, 10 फीसदी नीचे आए

स्टॉक मार्केट में टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के शेयरों में कमी आ गई है। बीएसई में वोडाफोन आइडिया के शेयरों में गिरावट आई है। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में भी 10 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में एक घंटे की ट्रेडिंग में ही वोडाफोन आइडिया के शेयर 10 प्रतिशत गिरे है। आंकड़ों की मानें तो ब्रोकरेज फर्म ने टारगेट प्राइस कम होने के बाद शेयरों में बिकवाली देखी है। इसके बाद सुबह 11 बजे ही वोडा आइडिया के शेयरों में 16.51 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ये 2.29 रुपये का आंकड़ा रहा। गिरावर के बाद वोडा आइडिया के शेयर 16.16 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बिक रहे थे।

इतनी कम हुई कीमत

ग्लोबल मार्केट में सबसे बड़े ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स की तरफ से एक रिपोर्ट जारी की गई है जिसमें वोडाफोन–आइडिया के शेयरों की जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट में फर्म में सलाह दी है कि शेयरों को बेच दिया जाए। इसके बाद ही शेयरों की कीमत में गिरावट आई है। शेयर का प्राइस टारगेट को 2.5 रुपये प्रति शेयर कर दिया। फर्म के मुताबिक कंपनी को इस समय में फंड जुटाने से अधिक लाभ नहीं होगा। बाजार में भी कंपनी अपनी बड़ी हिस्सेदारी गंवा सकती है। बड़ी हिस्सेदारी खोने की स्थिति में आगामी तीन से चार वर्षों में मार्केट शेयर में तीन प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

ऐसी रही कंपनी की परफॉर्मेंस

कंपनी के शेयरों की परफॉर्मेंस अच्छी नहीं रही। कंपनी बीते कई महीनों से काफी समस्याओं से घिरी हुई है। आंकड़ों पर गौर करें तो बीते छह महीनों के दौरान कंपनी के शेयरों ने 5. 60 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है। वहीं पांच सितंबर 2023 से अब तक कंपनी में निवेशकों को 24 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिला है।

रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे मजबूत होकर 83.95 प्रति डश्वलर पर

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे मजबूत होकर 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे मजबूत होकर 83.96 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 पर

पहुंच गया गया जो पिछले बंद से दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.97 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.97 अंक पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.70 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 688.69 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

सेबी चीफ माधबी पूरी बुच हर तरफ से घिरी, लगातार लग रहे गंभीर आरोप, अब जांच की हो रही तैयारी

बाजार नियामक सेबी चीफ माधबी पूरी बुच लगातार आरोपों से घिरे जा रही है। हिंडेनबर्ग के आरोपों के बाद उन पर लगातार हमले हो रहे है। सेबी प्रमुख अपने ऊपर लग रहे सभी आरोपों को निराधार बता रही है। इसी बीच सेबी की प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ कई आरोप लग चुके है, जिनकी अब जांच करवाई जाएगी। इस महीने के अंत तक माधबी पुरी बुच को समिति तलब भी कर सकती है। बता दें कि माधबी पूरी बुच पर टॉक्सिक वर्क कल्चर से लेकर आईसीआईसीआई बैंक से सैलरी लेने के आरोप लग रहे है। इन आरोपों के कारण वो लगातार घिरी हुई है। इन आरोपों के बीच कांग्रेस पार्टी माधबी पूरी बुच से इस्तीफा मांग चुकी है। इसी बीच नई जानकारी मिली है कि लोक लेखा समिति ने इस वर्ष सेबी के प्रदर्शन की समीक्षा करने का फैसला लिया है। ये जानकारी इकोनॉमिक्स टाइम्स के रिपोर्ट में दी गई है। इस समीक्षा प्रक्रिया के बुच को संस्था तलब कर सकती हैं। ऐसे में माधबी पूरी बुच की समस्या अधिक बढ़ सकती है। इस रिपोर्ट की मानें तो रिपोर्ट में कहा गया है कि 29 अगस्त को पैनल की पहली बैठक में कई सदस्यों द्वारा जांच की मांग किए जाने के बाद इस मामले को पीएसी के एजेंडे में शामिल किया गया। पीएसी की अध्यक्षता कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल कर रहे हैं और इसमें एनडीए और विपक्ष के इंडिया ब्लॉक दोनों के सदस्य हैं। हालांकि, एजेंडा मद में नियामक या प्रमुख का नाम निर्दिष्ट नहीं किया गया है और इसे ष्संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित नियामक निकायों के प्रदर्शन की समीक्षाष के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात अधिकारियों ने कहा कि यह जांच सेबी प्रमुख के खिलाफ हाल ही में लगे आरोपों से उपजी है और इस मामले को 29 अगस्त की बैठक में स्वतः संज्ञान के आधार पर जोड़ा गया था, क्योंकि कई सदस्य पूंजी बाजार नियामक और सेबी प्रमुख के खिलाफ गंभीर आरोपों को लेकर चिंतित थे। संबंधित मंत्रालय के अधिकारियों को इसी महीने तलब किया जा सकता है।

संन्यास के बाद ब्रेंडन मैकुलम की राह पर चलेंगे बेन स्टोक्स, खुद बताया रिटायरमेंट के बाद का प्लान

बेन स्टोक्स ने हाल ही में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की अपनी योजनाओं के बारे में बताया। बेन स्टोक्स का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वो कोच बनने की राह पर आगे बढ़ सकते हैं। बता दें कि, इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यही किया था।

इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने हाल ही में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की अपनी योजनाओं के बारे में बताया। बेन स्टोक्स का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वो कोच बनने की राह पर आगे बढ़ सकते हैं। बता दें कि, इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यही किया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के करीब 6 साल बाद ब्रेंडन मैकुलम को टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम दोनों के बीच काफी अच्छे संबंध हैं। दोनों को इंग्लैंड की टेस्ट टीम में बैजबॉल को लाने का श्रेय दिया जाता है। अब ऐसा लग रहा है कि स्टोक्स रिटायरमेंट के बाद मैकुलम के नक्शेकदम पर चलते हुए कोच बन सकते हैं। द टेलीग्राफ से बात करते हुए बेन स्टोक्स ने कोच बनने की अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में खुलकर बात की। वहीं उन्होंने माना कि खेल के प्रति उनका प्यार उन्हें रिटायर होने के बावजूद क्रिकेट के मैदान को नहीं छोड़ने के लिए मजबूर करेगा।

रिटायरमेंट के बाद कोच बनना चाहते हैं स्टोक्स

बेन स्टोक्स ने कहा कि मैं खुद को ऐसा व्यक्ति नहीं मानता कि जब मैं खेलना छोड़ दूं तो मैं क्रिकेट से जुड़ा ही न रहूं। मैं खुद को कोच बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए देखता हूं। मुझे लगता है कि ये खेल के प्रति मेरे प्यार के कारण है। जब मैं खेलना छोड़ दूंगा तो मैं कुछ लोगों के करियर को प्रभावित करने की कोशिश करना चाहूंगा। इससे पहले बेन स्टोक्स ने वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन वनडे वर्ल्ड कप 2023 से ठीक पहले उन्होंने वनडे में फिर से वापसी करने का फैसला किया था। हालांकि, उनका ये फैसला ठीक नहीं रहा और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा।

मुशीर खान ने टीम इंडिया के 4 दावेदारों का काम खराब किया

94 रन पर 7 विकेट गंवाने वाली टीम को 300 पर पहुंचाया

भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज टीम इंडिया का सेलेक्शन ट्रॉयल माना जा रहा है। कुछ खिलाड़ियों ने इस सेलेक्शन ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन किया तो कुछ ने बेहद निराश किया है। खासकर मुशीर खान और अक्षर पटेल ने गेंदबाजों को काफी परेशान किया। भारत और बांग्लादेश के बीच खेली जाने वाली 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले दलीप ट्रॉफी में युवा मुशीर खान का बल्ला जमकर बोला है। बता दें कि, भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज टीम इंडिया का सेलेक्शन ट्रॉयल माना जा रहा है। कुछ खिलाड़ियों ने इस सेलेक्शन ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन किया तो कुछ ने बेहद निराश किया है। खासकर मुशीर खान और अक्षर पटेल ने गेंदबाजों को काफी परेशान किया। इंडिया बी की ओर से खेल रहे मुशीर खान ने 181 रन की पारी खेली और अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। 19 वर्षीय मुशीर खान ने आकाशदीप, आवेश कान, खलील अहमद, कुलदीप यादव जैसे गेदंबाजों को पछाड़ दिया है। ये चारों ही गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के दावेदार हैं। लेकिन मुशीर खान ने अपने प्रदर्शन से इनकी दावेदारी पर प्रश्न चिह्न लगा दिया है। मुशीर खान ने नवदीप सैनी के साथ तब 205 रन की साझेदारी की, जब इंडिया बी 94 रन पर 7 विकेट गंवा चुकी थी। इस साझेदारी ने जहां इंडिया बी को 300 रन के पार पहुंचाया, वहीं विरोधी गेंदबाजों की कलई खोल दी। इंडिया ए का बॉलिंग अटैक आकाश दीप, आवेश खान, खलील अहमद, कुलदीप यादव के जिम्मे था। ये चारों ही भारतीय टीम के लिए खेल चुके हैं, ऐसे में 56 ओवर तक एक भी विकेट ना गिरना गेंदबाजी पर सवाल उठना लाजमी है। वह भी तब जब एक छोर पर पुछल्ले बल्लेबाज नवदीप सैन थे। हालांकि, कुलदीप यादव ने मुशीर खान को आउट कर इस खतरनाक साझेदारी को तोड़ा, लेकिन तब तक मुशीर और नवदीप सैन अपना काम कर चुके थे। कुलदीप ने मैच में 21 ओवर बॉलिंग की और सिर्फ एक विकेट ले सके। उन्होंने 3.90 की इकोनॉमी रेट से 82 रन लुटाए।

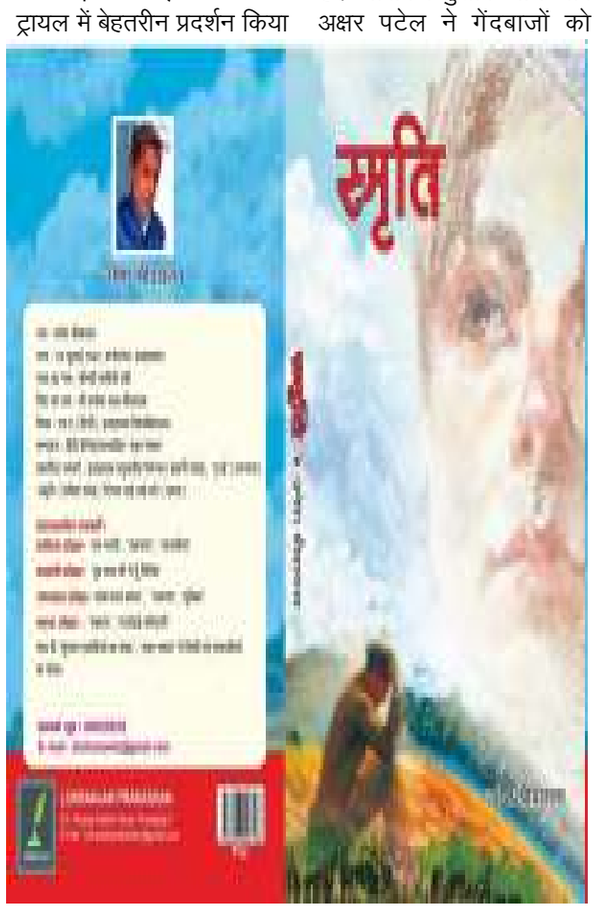

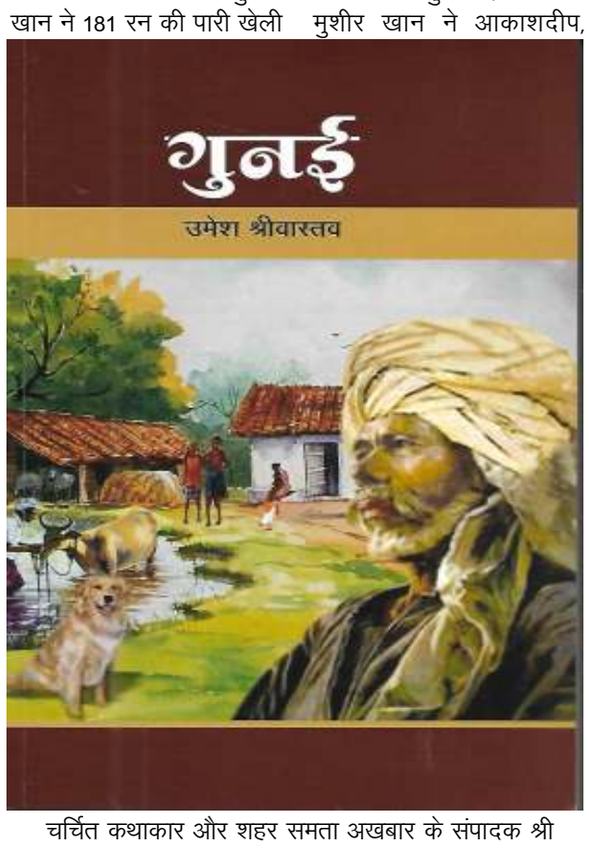

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

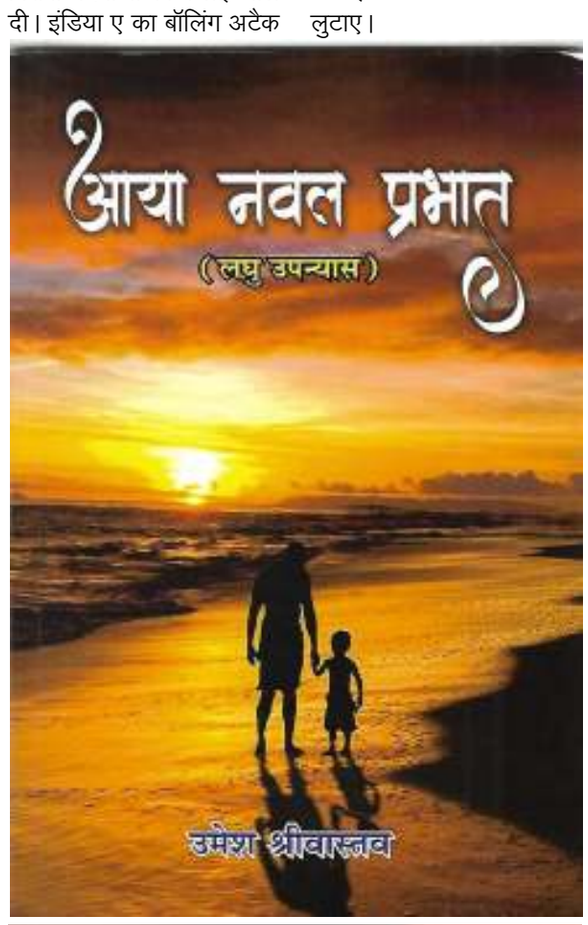

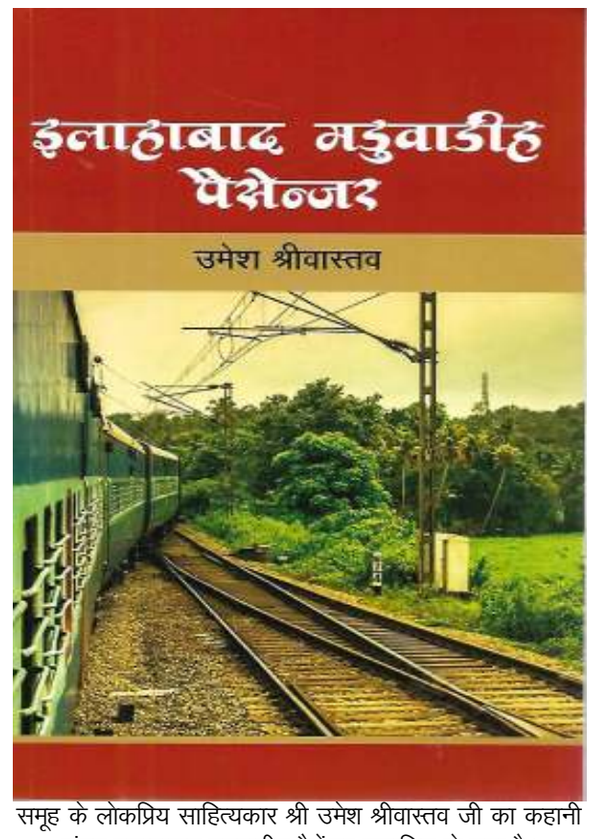

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

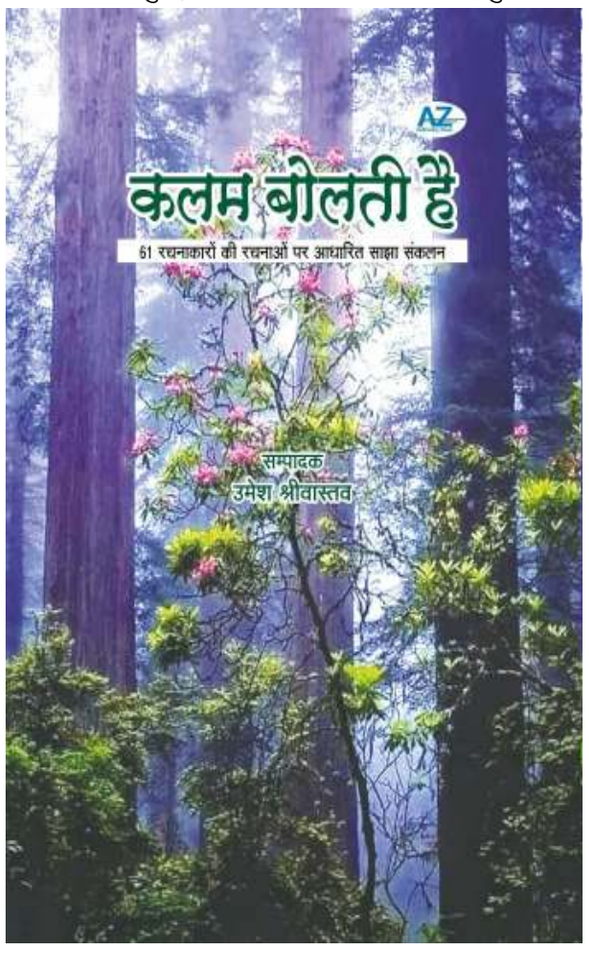

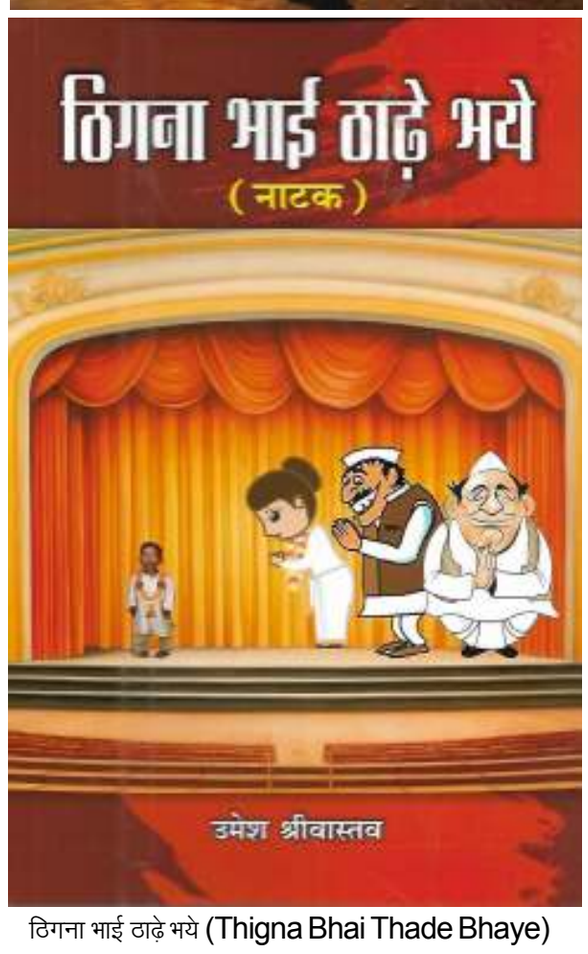

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

शहबाज शरीफ सरकार को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार रोधी कानून के बदलावों को दी मंजूरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शहबाज शरीफ सरकार को बड़ी राहत देते हुए भ्रष्टाचार रोधी कानून में हुए बदलावों को लागू करने की मंजूरी दे दी है। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने संघीय सरकार और अन्य पक्षों द्वारा दायर इंट्रा–कोर्ट अपील पर यह फैसला दिया है। पांच जजों की पीठ ने बीती 6 जून को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (छ।ठ) कानूनों में संशोधन को पूर्व में रद्द कर दिया था,

लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले को पलट दिया है। मई 2023 में शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान सरकार ने भ्रष्टाचार रोधी राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो कानूनों में संशोधन किया था। इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी ने इस कानून की आलोचना की थी और दावा किया था इसके कारण आसिफ अली जरदारी, शहबाज शरीफ और उनके भाई नवाज शरीफ जैसे प्रमुख राजनेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले वापस ले लिए गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री खान ने संशोधनों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसने पिछले साल सितंबर में बदलावों को रद्द कर दिया था। इसके खिलाफ पाकिस्तान की संघीय सरकार ने फिर से अपील की। जिस पर अब अदालत ने अपील के पक्ष में सर्वसम्मति से फैसला सुनाया और उन संशोधनों को बहाल कर दिया जिन्हें पहले असंवैधानिक घोषित किया गया था। अदालत ने फैसले में कहा कि मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश संसद के द्वारपाल नहीं हो सकते। कोर्ट ने ये भी कहा कि जब भी संभव हो, सुप्रीम कोर्ट को संसद द्वारा बनाए गए कानून को बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

रूस ने अमेरिका को यूक्रेन मुद्दे पर 'हद' पार न करने की चेतावनी दी

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका को चेतवानी दी है कि वह यूक्रेन के मुद्दे पर 'रेड लाइन' को पार न करे। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस (तास) द्वारा जारी की गई खबर में यह जानकारी दी गई। खबर में बताया गया कि लावरोव ने कहा कि अमेरिका रूस के प्रति आपसी संयम की भावना खोने लगा है। रूस की समाचार एजेंसी की खबर में बताया गया कि लावरोव ने बुधवार को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति करने के मामले में लक्ष्मण रेखा (रेड लाइन) पार कर दी है। खबर में लावरोव के हवाले से कहा गया, ''उन्हें (अमेरिका को) यह समझ लेना चाहिए कि हमारी लक्ष्मण रेखा ऐसी नहीं हैं जिनसे खिलवाड़ किया जा सके और वे अच्छी तरह जानते हैं कि वे कहां हैं। लावरोव ने कहा कि अमेरिका रूस के प्रति आपसी संयम की भावना खोने लगा है। उन्होंने इसे 'खतरनाक' करार दिया।

'व्हिसपरगेट': अमेरिका ने साजिश के लिए रूसियों के खिलाफ अभियोग का दायरा बढ़ाया

अमेरिकी न्याय विभाग ने तथाकथित 'व्हिसपरगेट' मैलवेयर हमले के जरिए यूक्रेन और अमेरिका सहित नाटो के 26 सहयोगियों के कंप्यूटर प्रणाली को नष्ट करने के लिए रूसियों के खिलाफ लगाए गए अभियोग में कई अन्यों को भी शामिल किया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने बृहस्पतिवार को अभियोग में रूसी सेना के पांच खुफिया अधिकारियों को प्रतिवादी के रूप में शामिल किया है। पिछले अभियोग में एक रूसी नागरिक

अमीन तिमोविच स्टिगल का नाम था। एक संघीय अधिकारी ने कहा कि जनवरी 2022 में हुए 'व्हिस्परगेट' मैलवेयर हमले को यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध का पहला प्रयास माना जा सकता है। 'व्हिस्परगेट' मैलवेयर हमले से अमेरिकी कंपनियां भी प्रभावित हुई थीं। अमेरिकी सरकार ने प्रतिवादियों की गिरफ़्तारी में मदद करने वाले लोगों को छह करोड़ अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है।

अमेरिका: हंटर बाइडन ने संघीय कर आरोपों को स्वीकार किया

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन ने अवैध रूप से बंदूक रखने के मामले में दोषी करार दिए जाने के कुछ महीनों बाद एक और आपराधिक मामले की सुनवाई से बचने के लिए संघीय कर आरोपों को स्वीकार कर आश्चर्यजनक कदम उठाया। जो बाइडन के बेटे ने लॉस एंजिलिस में संघीय अदालत में जूरी का चयन शुरू होने के कुछ घंटों बाद यह आश्चर्यजनक कदम उठाया। न्याय विभाग द्वारा किए गए इस मुकदमे में हंटर बाइडन पर कम से कम 14 लाख अमेरीकी डॉलर का कर भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया गया है। हंटर बाइडन को बंदूक संबंधी मामले में जून में दोषी ठहराया गया था और उन्हें इस मामले में कुछ ही महीनों में सजा सुनाए जाने की संभावना है। न्यायाधीश ने कर मामले से जुड़े नौ आरोपों को पढ़ा जिसके तुरंत बाद हंटर बाइडन ने कहा, ''मैं दोषी हूं।'' इन आरोपों के तहत 17 साल तक की सजा का प्रावधान है लेकिन सजा संबंधी संघीय दिशा–निर्देशों में बहुत कम सजा का प्रावधान है। इस मामले में सजा 16 दिसंबर को सुनाई जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा वादा- चुनाव जीतने के बाद बनाएंगे टास्क फोर्स

वॉशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों के बीच कड़ी टक्कर है। इन सबके बीच पूर्व राष्ट्रपति ने वादा किया है कि अगर वह राष्ट्रपति बनते हैं तो वह एक नया टास्क फोर्स गठित करेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने यह तक कह दिया कि इसका नेतृत्व टेस्ला के सीईओ एलन मस्क करेंगे।

क्या है टास्क फोर्स का मकसद?

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टास्क फोर्स का उद्देश्य पूरी संघीय सरकार का वित्तीय और निष्पादन लेखा–परीक्षण करना और कठोर सुधारों के लिए सिफारिशें करना है। उन्होंने कहा कि एलन मस्क टास्क फोर्स का नेतृत्व करने के लिए सहमत हो गए हैं। वहीं, मस्क ने रिपब्लिकन उम्मीदवार के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि टास्क फोर्स गठित करने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

पुराने नियमों करेंगे खत्म

ट्रंप ने गुरुवार को कहा, श्कम कीमतों पर इसे रोकने के लिए मैं आज प्रतिज्ञा ले रहा हूं कि मेरे दूसरे कार्यकाल में हम कम से कम दस पुराने नियमों को खत्म कर देंगे। हर किसी के लिए नए नियम बनाए जाएंगे। हम काफी आसानी से ऐसा करने में सक्षम होंगे। वास्तव में भविष्य के उद्योगों पर हमला करने के बजाय, हम उन्हें हाथों हाथ लेंगे,

जिसमें अमेरिका को क्रिप्टो और बिटकॉइन के लिए विश्व राजधानी बनाना शामिल है।

टास्क फोर्स बनाने की बहुत जरूरत

उन्होंने आगे कहा, श्एलन मस्क ने मुझे अपना पूरा समर्थन दिया है। वह एक समझदार शख्स हैं। उनकी सलाह पर ही फैसला लिया है। वह जानते हैं कि वह क्या कर रहे हैं। उन्होंने बहुत सराहना की है। मैं संघीय सरकार का वित्तीय और निष्पादन लेखा–परीक्षण करने और कठोर सुधारों के लिए सिफारिशें करने के साथ एक एक सरकारी दक्षता आयोग (गर्वमेंट इंफीशिएंसी कमिशन टास्क) बनाऊंगा। हमें इसे बनाने की बहुत जरूरत है। इसे आगे उस तरह से नहीं चलाया जा सकता है, जिस तरह से हम अभी काम कर रहे हैं।

एलन को लेकर कही ये बात

उन्होंने कहा कि एलन अभी बहुत ज्यादा व्यस्त नहीं है, इसलिए वह टास्क फोर्स का नेतृत्व करने के लिए सहमत हो गए हैं। दिलचस्प होगा अगर उनके पास ऐसा करने के लिए ठीक–ठाक समय होगा।

खरबों डॉलर की होगी बचत

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अनुचित और धोखाधड़ी वाले भुगतानों से 2022 में करदाताओं को अनुमानित सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने एलान किया की आयोग छह महीनों के भीतर धोखाधड़ी और अनुचित भुगतान को पूरी तरह समाप्त करने के लिए एक कार्य योजना बनाएगा और इससे खरबों डॉलर की बचत होगी।

हिंदू किशोर की थाने में पीट–पीटकर हत्या

एक दिन पहले ही यूनुस ने कहा था– हमले बढ़ा–चढ़ाकर पेश किए

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बाहर होते ही भारत का यह पड़ोसी देश पाकिस्तान की राह पर चल पड़ा है। दरअसल बांग्लादेश में आए दिन अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरें आ रही हैं। अब एक ताजा मामले में लोगों की भीड़ ने पुलिस और सेना के जवानों के सामने एक हिंदू किशोर की पीट–पीटकर हत्या कर दी। आरोप है कि मृतक ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर कुछ आपत्तिजनक पोस्ट किया था।

क्या है पूरा मामला

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 15 साल के उत्सव मंडल पर आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर पैगंबर मोहम्मद को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट किया था। दावा है कि उसके आपत्तिजनक पोस्ट को कुछ लोगों ने विभिन्न ग्रुप में पोस्ट कर दिया था। जिससे पोस्ट वायरल हो गई और लोगों का

गुस्सा भड़क गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्सव मंडल और उसके माता–पिता को पुलिस थाने बुलाया गया, जहां कट्टरपंथी लोगों की भीड़ भी पहुंच गई। थाने में कई पुलिसकर्मी और सेना के जवान भी मौजूद थे। इसी दौरान लोगों की भीड़ ने उत्सव को पीटना शुरू कर दिया। आरोप है कि जब भीड़ उत्सव को पीट रही थी तो थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों और सेना के जवानों ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। लोगों की भीड़ ने उत्सव को पीट–पीटकर मार डाला। बांग्लादेश अल्पसंख्यक मानवाधिकार कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में घटना की जानकारी दी है। संगठन का दावा है कि बिना किसी फोरेंसिक सबूतों के पुलिस ने उत्सव को पकड़ा और फिर पुलिस और सेना की मौजूदगी में ही कट्टरपंथियों की भीड़ ने किशोर की थाने में ही पीट–पीटकर हत्या कर दी। हालांकि अमर उजाला इस खबर की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि नहीं करता है।

मोहम्मद यूनुस ने दावा किया था– हमलों को बढ़ा–चढ़ाकर पेश कर रहा भारत

उल्लेखनीय है कि हिंदू युवक की थाने में पीट–पीटकर हत्या करने की यह घटना ऐसे वक्त सामने आई है, जब कल ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने दावा किया था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। मोहम्मद यूनुस ने कहा था कि हिंसा की घटनाएं सांप्रदायिक न होकर राजनीतिक हैं। एक इंटरव्यू में मोहम्मद यूनुस ने अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर भारत की चिंताओं को यह कहकर खारिज कर दिया था कि अगर बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार नहीं रहेगी तो बांग्लादेश, दूसरा अफगानिस्तान नहीं बन जाएगा। मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश में हमलों को लेकर भारत के रुख की भी आलोचना की और दावा किया कि इन्हें बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।

अंतरिम सरकार सार्क को साथ लाने की करेगी कोशिश, कहा–

अब यह सिर्फ कागजों पर मौजूद, नहीं ले रहा काम

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का कहना है कि सार्क की भावना को फिर से बहाल जाना चाहिए। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि आठ सदस्यीय यह समूह क्षेत्र की कई समस्याओं का समाधान कर सकता है।

केवल कागजों पर मौजूद सार्क

मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क या एसएएआरसी) का गठन एक बड़े उद्देश्य के साथ किया गया था, लेकिन अब यह केवल कागजों पर मौजूद है और काम नहीं कर रहा है। बता दें, इस क्षेत्रीय समूह में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।

पीएम मोदी से मिलने की करेंगे कोशिश

यूनुस ने कहा कि वह इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वह सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को फोटो खिंचवाने के लिए एक साथ लाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने आगे कहा, श्हां हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की कोशिश करेंगे। साथ ही मैं यह भी प्रयास करूंगा कि सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को फोटो खिंचवाने के लिए एक साथ खड़ा किया जा सके। सार्क का गठन एक बड़े उद्देश्य के लिए किया गया था। अब सिर्फ यह कागजों पर मौजूद है। यह संगठन जमीनी हकीकत में काम नहीं कर रहा है। हम सार्क का नाम भूल गए हैं। मैं सार्क की भावना को फिर से जगाने की कोशिश कर रहा हूं। यूनुस ने कहा कि सार्क समिट बहुत लंबे समय से नहीं हुई है। अगर हम सब साथ आते हैं तो बहुत सारी परेशानियों का समाधान हो जाएंगा।

26 सितंबर को होगी संयुक्त राष्ट्र महासभा

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वक्ताओं की जारी अस्थायी सूची के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की उच्च स्तरीय आम बहस 24 से 30 सितंबर तक

होगी।

कबसे नहीं हुआ सार्क समिट?

बता दें, नेपाल सार्क को सक्रिय करने के प्रयास कर रहा है। साल 2016 में इस्लामाबाद में सार्क समिट होना था, लेकिन उस वर्ष 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर के उरी स्थित एक सैन्य शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद भारत ने मौजूदा हालात के मद्देनजर सम्मेलन में हिस्सा लेने में असमर्थता जतायी थी। वहीं, बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान के भी इस्लामाबाद में होने वाले सम्मेलन में हिस्सा लेने से इनकार करने के बाद सम्मेलन रद्द कर दिया गया था।

मैं यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत, चीन, ब्राजील के लगातार संपर्क में हूं : राष्ट्रपति पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार कोकहा कि वह यूक्रेन संघर्ष के मुद्दे पर तीन देशों.. भारत, चीन और ब्राजील के संपर्क में हैं और इसे सुलझाने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। रूसी समाचार एजेंसी 'तास' ने पुतिन के हवाले से अपनी खबर में कहा, ''हम अपने मित्रों और साझेदारों का सम्मान करते हैं। हम.. मुख्य रूप से चीन, ब्राजील और भारत इस संघर्ष से जुड़े सभी मुद्दों को ईमानदारी से सुलझाना चाहते हैं। मैं इस मुद्दे पर अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में रहता हू।'' पुतिन की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा के दो सप्ताह के बाद आई है, जहां उन्होंने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ वार्ता की थी। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने इजवेस्तिया दैनिक को बताया कि भारत इस मुद्दे पर वार्ता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए मदद कर सकता है। मोदी और पुतिन के बीच ''रचनात्मक और मैत्रीपूर्ण संबंधों'' को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री ''इस संघर्ष में शामिल लोगों से प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि वह पुतिन, जेलेंस्की और अमेरिकियों के साथ स्वतंत्र रूप से संवाद करते हैं।'' पेस्कोव ने कहा, ''इससे भारत को वैश्विक मामलों में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का एक बड़ा मौका मिलता है और अमेरिका तथा यूक्रेन को अधिक राजनीतिक इच्छाशक्ति का इस्तेमाल करने और शांतिपूर्ण समाधान के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।''

जो बाइडेन के बेटे ने किस केस में कबूला अपना गुनाह, हो सकती है जेल, जानें पूरा मामला

अवैध हथियार रखने का दोषी पाए जाने के महीनों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर ने एक आश्चर्यजनक कदम में संघीय कर के आरोपों में दोषी ठहराया है। हंटर बाइडेन पर ड्रग्स, यौनकर्मियों और विदेशी कारों पर बेतहाशा खर्च करते हुए करों में +1.4 मिलियन का भुगतान

करने में विफल रहने के आरोप में लॉस एंजिल्स में मुकदमा चलाया जाने वाला था। किसी सौदे के लाभ के बिना दुष्कर्म और अन्य नौ मामलों में दोष स्वीकार करने का उनका निर्णय गुरुवार को जूरी चयन शुरू होने के कुछ घंटों बाद आया। जून में एक मुकदमे में बंदूक के गंभीर आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद राष्ट्रपति के बेटे को पहले से ही संभावित जेल की सजा का सामना करना पड़ रहा था, जिसमें कोकीन की लत के साथ उनके संघर्ष के बारे में अप्रिय और कामुक विवरण प्रसारित किए गए थे। हालाँकि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से बाहर होने के जो बाइडेन के फैसले ने कर मामले के संभावित राजनीतिक निहितार्थों को कम कर दिया, लेकिन यह उम्मीद की गई थी कि मुकदमे से राष्ट्रपति को उनके पांच दशक के राजनीतिक करियर के अंतिम महीनों में भारी भावनात्मक नुकसान उठाना पड़ेगा। रिपब्लिकन ने बिडेन परिवार को भ्रष्ट बताने के लिए हंटर के विदेशी व्यापार सौदों को निशाना बनाया है। बचाव पक्ष के वकील एब्बे लोवेल ने हंटर बिडेन की याचिका में प्रवेश करने से पहले न्यायाधीश से कहा। हंटर बिडेन ने तुरंत जवाब दिया कि वह दोषी हैं। न्यायाधीश ने नौ मामलों में से प्रत्येक को पढ़ा। इससे पहले, अभियोजकों ने हंटर की श्अल्फ़ोर्ड याचिकाश का विरोध किया – जहां उसने दोषी मानने की पेशकश की लेकिन गलत काम स्वीकार करने से इनकार कर दिया। जज मार्क स्कार्सी ने हंटर से कहा कि उसे 17 साल तक की जेल और 450,000 डॉलर तक जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने 16 दिसंबर को सजा की तारीख तय की। सुनवाई के बाद एक बयान में, बिडेन ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार को मुकदमे में बैठने से बचाने के लिए अपराध स्वीकार किया है, जिसमें उनके जीवन के उस दौर के गंदे विवरण प्रसारित होते जब वह नशीली दवाओं से पीड़ित थे। हंटर बाइडेन के साथ उनकी पत्नी मेलिसा कोहेन बिडेन भी थीं और उनके साथ सीक्रेट सर्विस के एजेंट भी थे।

मानवता के इतिहास का सबसे गर्म साल रहा 2024, यूरोपीय जलवायु एजेंसी का बड़ा दावा

यूरोप की जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस ने दावा किया है कि इस साल की गर्मियों के दौरान धरती का तापमान सबसे ज्यादा रहा। एजेंसी का कहना है कि ये साल मानवता के इतिहास में सबसे गर्म साल रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की वजह मानव जनित कारणों के अलावा, जलवायु परिवर्तन, अल नीनो प्रभाव और मौसम संबंधी बदलाव हैं। पिछले साल से भी ज्यादा रहा इस साल का औसत तापमान कॉपरनिकस के अनुसार, जून, जुलाई और अगस्त में औसत तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस (62.24 डिग्री फ़ारेनहाइट) था। यह 2023 के पुराने रिकॉर्ड से 0.03 डिग्री सेल्सियस (0.05 डिग्री फ़ारेनहाइट) ज्यादा गर्म है। कोपरनिकस के रिकॉर्ड 1940 से ही मौजूद हैं, लेकिन अमेरिकी, ब्रिटिश और जापानी रिकॉर्ड, जो 19वीं सदी के मध्य से शुरू होते हैं, बताते हैं ।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।